दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 37 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 24 डिग्री

बुधवार 07 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:36 बजे
सूर्यास्त सांय 19: 01 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

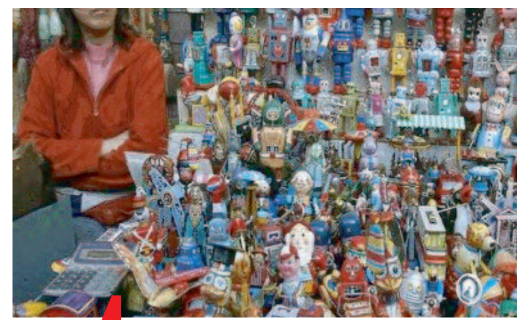

पृष्ठ 4 दुनिया भर में आ सकती है चीनी माल की बाढ़

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 201 | गाजियाबाद, बुधवार 07 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

NCR में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर 1 महीने में लगे पूर्ण प्रतिबंध : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पटाखे जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के मामले पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में पटाखों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब एनसीआर में शामिल अन्य राज्यों को एक महीने के भीतर प्रतिबंध लगाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आतिशबाजी की स्थिति में शिकायत निवारण और शिकायत तंत्र बनाना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (ईपीए) की धारा पांच के तहत यह निर्देश जारी किए हैं, ताकि जुर्माना लगाया जा सके और अन्य राज्यों को भी इसका पालन करना चाहिए।

जस्टिस अभय एस. ओक की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि हमने दिल्ली तथा एनसीआर में पटाखों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध के मामले में सुनवाई के दौरान तीन अप्रैल को आदेश जारी कर निर्देश दिए थे।

कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा आदेश के अनुपालन का हलफनामा दाखिल कर बताया गया कि पटाखों का निर्माण, भंडारण आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

कोर्ट ने कहा कि इस आधार पर हम एनसीआर के क्षेत्रों में राजस्थान, यूपी और हरियाणा को ईपीए की धारा 5 के तहत इसी तरह के निर्देश जारी करने का निर्देश देते हैं और इसे एक महीने के भीतर जारी किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने बीते 3 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध को सही ठहराया था। अदालत ने कहा था कि जब तक यह स्पष्ट रूप से साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से जीरो प्रदूषण होता है, तब तक प्रतिबंध के पुराने आदेश में बदलाव करने का कोई औचित्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए कहा था कि स्वच्छ वातावरण में जीना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरों को देखते हुए पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि हर व्यक्ति एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता और सड़कों-गलियों में काम करने वाले लोगों पर प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है।

कॉपीराइट मामले में रहमान और 'पोन्नियिन सेलवन 2' के निर्माताओं के खिलाफ अंतरिम आदेश पर रोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली हाईकोर्ट ने संगीतकार एआर रहमान और फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' के निर्माताओं के खिलाफ एक संगीत रचना को लेकर कॉपीराइट मामले में जारी अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की खंडपीठ ने रहमान एवं फिल्म के निर्माताओं को एकल पीठ के निर्देशानुसार 10 दिनों के भीतर रजिस्ट्री में दो करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया।

कोर्ट की एकल पीठ ने 25 अप्रैल को अंतरिम आदेश में जूनियर डागर बंधुओं- दिवंगत उश्ताद एन फैयाजुद्दीन डागर और दिवंगत उश्ताद जहीरुद्दीन डागर- को संगीत रचना का उचित श्रेय देने के लिए सभी ओटीटी और ऑनलाइन मंचों पर फिल्म में एक तस्वीर डालने का भी आदेश दिया था। खंडपीठ ने इस निर्देश पर भी रोक लगा दी। रहमान की स्थगन याचिका और एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर अब 23 मई को सुनवाई होगी। एकल न्यायाधीश ने दो लाख के जुर्माने की राशि दिवंगत कलाकारों के परिजनों को देने का आदेश दिया था। एकल पीठ ने अंतरिम आदेश में एक श्रोता के दृष्टिकोण से फैसला सुनाया था कि फिल्म में रहमान के गीत 'वीरा राजा वीरा' का मूल स्वर, भावना और प्रभाव न केवल 'शिव श्तुति' से प्रेरित है बल्कि वाश्तव में उसके समान ही है।

अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम की किताब की खरीद में बैंक ने किया बड़ा घोटाला : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक चर्चित अर्थशास्त्री की किताब की दो लाख प्रतियां खरीदने पर करोड़ों रुपए खर्च करने को एक बड़ा घोटाला बताते हुए वित्त मंत्री से सफाई मांगी है।

कांग्रेस सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूर्व आर्थिक सलाहकार के वी सुब्रमण्यम की पुश्तक खरीदने में सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ने साढे सात करोड़ रुपए खर्च किए और उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक से हटा दिया है जबकि 6 माह का उनका कार्यकाल अभी बाकी था।

आईएमएफ की पाकिश्तान को कर्ज देने को लेकर 9 मई को एक बैठक होनी है और उससे पहले सुब्रमण्यम को हटाकर सरकार ने सबको चौंका दिया है।

कांग्रेस पहले ही सरकार से आग्रह कर चुकी है कि पाकिश्तान को कर्ज देने के लिए होने वाली आईएमएफ की बैठक में भारत को इसका कड़ा विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच यह है कि सरकार ने यह निर्णय जबरदश्त घपलेबाजी के चलते लिया है। यूनियन

बैंक ऑफ इंडिया के आधिकारिक दश्तावेज़ों से पता चला है कि बैंक ने सुब्रमण्यन की लिखी पुश्तक की दो लाख प्रतियां खरीदने का आर्डर दिया है और इस पर साढे सात करोड़ रुपए खर्च होने हैं। इसके लिए 3.5 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। इनमें 1,89,450 प्रतियां पेपर बैंक और 10,422 हार्ड कवर की प्रतियां शामिल थीं। इन किताबों को बैंक के क्षेत्रीय और आंचलिक कार्यालयों, खाताधारकों, स्कूल और कॉलेजों में बांटा जाना था। बैंक के 18 जोनल ऑफिस हैं और हर ऑफिस को 10,525 प्रतियां दी जानी थीं।

श्रीनेत ने कहा कि ऐसा लगता है कि इस खुलासे के कारण मोदी सरकार को मजबूरन सुब्रमण्यन को उनके पद से हटाना पड़ा है। यह वही सुब्रमण्यम हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहते हुए 2019-20 के आर्थिक सर्वे में 'थालीनॉमिक्स' की चर्चा की थी।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का सचिव पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित, 20 मई को चुनाव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने सचिव का पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित करने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का चुनाव 20 मई को कराने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि चुनाव वर्ष 2024 के चुनावों में अंतिम रूप दी गई मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि 28 फरवरी, 2025 तक पात्रता प्राप्त करने वाले सभी सदस्य चुनाव में मतदान करने के हकदार होंगे। शीर्ष अदालत ने सचिव का पद विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित करते हुए कहा कि कार्यकारी समिति में एक तिहाई सीटें, यानी नौ में से तीन, उनके (महिला) लिए होंगी। पीठ ने निर्देश दिया कि उपनियमों में सुधार का सुझाव देने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त पूर्व शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एल नागेश्वर राव की रिपोर्ट एससीबीए की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए।

ईरान के विदेश मंत्री भारत की दो दिवसिय यात्रा पर दिल्ली में

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास आरग्ची बुधवार को भारत की दो दिन की यात्रा पर यहाँ आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ. आरग्ची कल दोपहर नयी दिल्ली पहुंचेंगे तथा गुरुवार को वह दोपहर में हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक में शामिल होंगे। वह अपराह्न चार बजे वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करेंगे और रात में स्वदेश लौट जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की पाकिश्तान पर सामरिक कार्रवाई की तैयारियों के बीच ईरान के विदेश मंत्री की आकस्मिक भारत यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नथमलपुर भगड़ वेटलैंड : संरक्षण को मिली मंजूरी, 3.51 करोड़ स्वीकृत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की 62वीं कार्यकारी समिति (ईसी) की बैठक में बिहार के भोजपुर जिला स्थित नथमलपुर भगड़ वेटलैंड के संरक्षण और सतत प्रबंधन परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3.51 करोड़ रुपये है। यह नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत स्वीकृत पांचवीं वेटलैंड परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य नथमलपुर भगड़ में प्रभावी प्रबंधन प्रणाली की स्थापना और इसके जैव विविधता व पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता सुनिश्चित करना है। इससे पहले चार वेटलैंड- कालेवाड़ा झील (मुज़फ्फरनगर), नामिया दाह (प्रयागराज), रेवती दाह (बलिया) और उधवा झील (साहिबगंज, झारखंड) के संरक्षण को मंजूरी दी जा चुकी है। परियोजना में आर्द्रभूमि का परिसीमन, जल प्रवाह प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, प्रजातियों और उनके आवासों का संरक्षण, पारिस्थितिकी और जोखिम मूल्यांकन, क्षमता निर्माण, जनजागरूकता तथा निगरानी व्यवस्था जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।

सरकार ने देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना अधिसूचित की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सरकार ने देश भर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना को अधिसूचित किया है, जिसके तहत वे प्रति दुर्घटना, प्रति व्यक्ति अधिकतम डेढ़ लाख रुपये के हकदार होंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, यह योजना पांच मई, 2025 से लागू हो गई है। अधिसूचना में कहा गया, ''किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा।''

करीब 300 जिलों में परमाणु संयंत्रों, रिफाइनरी और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में होगी मॉक ड्रिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

परमाणु संयंत्रों, सैन्य ठिकानों, रिफाइनरी और जलविद्युत बांधों जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों वाले करीब 300 'नागरिक सुरक्षा जिलों' में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन, 'शत्रुतापूर्ण हमले' के लिए नागरिक प्रशिक्षण और बंकरों और खंदकों की सफाई के साथ बुधवार को 'मॉक ड्रिल' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्चश्तरीय बैठक में लोगों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'मॉक' अभ्यास करने पर विश्तार से चर्चा की गई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिश्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभरे ''नए और जटिल खतरों'' को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से बुधवार को मॉक ड्रिल करने को कहा है।

सभी राज्यों में अधिकारी मॉक ड्रिल के दौरान शिक्षण संस्थानों के छात्रों, सरकारी और निजी संस्थानों के कर्मचारियों, अस्पताल कर्मचारियों, रेलवे और मेट्रो अधिकारियों के अलावा पुलिस, अर्द्धसैनिक और रक्षा बलों के वर्दीधारी कर्मियों को भी शामिल करेंगे।

सूत्रों ने कहा कि नागरिक सुरक्षा जिले और सामान्य प्रशासनिक जिले भिन्न होते हैं। किसी भौगोलिक क्षेत्र में छावनी, रिफाइनरी या परमाणु संयंत्र होने पर उसे आवश्यकता और तात्कालिकता के आधार पर 'नागरिक सुरक्षा जिले' के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''ऐसे जिलों को संबंधित राज्य प्राधिकारियों द्वारा नामित किया जाता है, और हमारा मानना है कि देश भर में लगभग 300 ऐसे नागरिक सुरक्षा जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा।''

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने मॉक ड्रिल के लिए राज्य में 19 जिलों की पहचान की है, लेकिन राज्य सरकार ने इसे राज्य के सभी जिलों में करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने लखनऊ में संवाददाताओं से कहा, ''हमें सात मई को आयोजित होने वाले नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल के लिए भारत सरकार से निर्देश प्राप्त हुए हैं। 19 जिलों की पहचान की गई है, जिनमें एक जिला 'ए' श्रेणी में है, दो 'सी' श्रेणी में हैं, और शेष जिले 'डी' श्रेणी में हैं।''

कुमार ने कहा, ''हालांकि, संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में मॉक ड्रिल की जाएगी और पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन, आपदा मोचन बल आदि सब इसमें भाग लेंगे।''

गृह मंत्रालय के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन, लोगों को ''शत्रु के हमले'' की स्थिति में खुद को बचाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना और बंकरों तथा खंदकों की सफाई करना शामिल है।

मोदी और स्टारमर ने मुक्त व्यापार समझौता वार्ता को ऐतिहासिक बताया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते तथा दोहरी भागीदारी संधि पर वार्ता की सफलता का स्वागत करते हुए इसे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया है और कहा है कि इससे दोनों के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ दोहरी भागीदारी संधि पर वार्ता के सफल समापन का स्वागत किया। नेताओं ने इसे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। दोनों ने सहमति व्यक्त की कि दुनिया की दो बड़ी और खुली बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बीच ऐतिहासिक समझौते व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलेंगे, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेंगे और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करेंगे।

प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के साथ गठबंधन को मजबूत करना और व्यापार बाधाओं को कम करना एक मजबूत और अधिक सुरक्षित अर्थव्यवस्था के लिए उनकी योजना का हिस्सा है। दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक तथा वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार मजबूत और बहुमुखी साझेदारी की आधारशिला है। वश्तुओं और सेवाओं के व्यापार को कवर करने वाले संतुलित, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि,

भारत का मानव विकास सूचकांक प्रगति की ओर, 130वें पायदान पर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में लगातार ऊपर चढ़ता जा रहा है और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा मंगलवार को जारी 2025 की मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) में 193 देशों में वह 130वें स्थान पर है।

भारत ने 2022 और 2023 के बीच अपनी एचडीआई रैंकिंग 133 से 130 तक सुधारी है, और इसका एचडीआई मूल्य 2022 में 0.676 से बढ़कर 2023 में 0.685 हो गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत मध्यम मानव विकास श्रेणी में बना हुआ है, जो उच्च मानव विकास (एचडीआई = 0.700) की सीमा के करीब पहुंच रहा है।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि असमानता भारत के एचडीआई को 30.7 प्रतिशत तक कम करती है, जो इस क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसानों में से एक है। स्वास्थ्य और शिक्षा असमानता में सुधार हुआ है, वहीं आय और लिंग असमानताएं बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला श्रम बल भागीदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में अभी स्थिति कमजोर है, हालांकि महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने वाले संविधान संशोधन जैसे हालिया कदम परिवर्तनकारी बदलाव की उम्मीद पैदा करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवन प्रत्याशा 71.7 वर्ष से बढ़कर 72.0 वर्ष हो गई है, जो देश के लिए दर्ज किया गया उच्चतम श्तर है। जबकि अपेक्षित स्कूली शिक्षा के वर्ष लगभग अपरिवर्तित रहे, जो 12.96 से बढ़कर 12.95 वर्ष हो गए।

यूएनडीपी इंडिया की रेजिडेंट प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी ने कहा, ''हम मानव विकास सूचकांक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति के लिए बधाई देते हैं, जो 2022 में 133वें स्थान से बढ़कर 2023 में 130वें स्थान पर पहुंच गया है। यह प्रगति मानव विकास के प्रमुख आयामों में निरंतर सुधार को दर्शाती है, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों और प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय में।''

लुसिगी ने कहा कि सूचकांक की शुरुआत के बाद से भारत की जीवन प्रत्याशा अपने उच्चतम श्तर पर पहुंच गई है, जो महामारी से देश के मजबूत तरीके से उबरने और दीर्घकालिक मानव कल्याण के लिए इसके निवेश और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने रद्द किया था अपना कश्मीर दौरा : खरगे

✷ वेबवार्ता. रांची ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले से तीन दिन पहले खुफिया रिपोर्ट के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपना जम्मू-कश्मीर दौरा रद्द कर दिया था।

उन्होंने यहां कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' को संबोधित करते हुए यह सवाल भी किया कि इसी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर लोगों की सुरक्षा क्यों नहीं की गई? उन्होंने कहा कि सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुफिया विफलता की बात स्वीकार की है और ऐसे में उसे 26 लोगों की मौत की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। खरगे ने इस बात को दोहराया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए हर कदम का कांग्रेस समर्थन करेगी तथा सरकार के साथ खड़ी होगी।

बीते 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने कम से कम 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने इस भयावह घटना के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी समूहों को जिम्मेदार बताया है।

खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा, ''22 अप्रैल को देश में एक बहुत बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 बेगुनाह लोग मारे गए। सरकार ने यह माना कि ये खुफिया विफलता है और इसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया, ''जब आपको यह (खुफिया विफलता) मालूम है तो पहले ही अच्छी व्यवस्था क्यों नहीं की गई?'' खरगे ने इस बात पर जोर दिया, ''जब आप चूक को मान रहे हैं तो इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी भी आपको लेनी चाहिए।'' उनका कहना था, ''पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों के खिलाफ लड़ने के लिए सरकार जो भी कदम उठाएगी। हम

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में पड़ोसी के घर फंदे से लटका मिला नाबालिग का शव, परिवार बोला- ये हत्या है

नोएडा एजेंसी। नोएडा से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 साल के नाबालिग का शव उसके पड़ोसी के घर पर फंदे से लटका मिला। घटना रविवार की है। बताया जा रहा है कि लड़के ने पड़ोसी के घर जाकर आत्महत्या की है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि लड़के के परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है और पुलिस को यह भी बताया कि दो दिन पहले ही लड़के का कुछ युवकों से झगड़ा हुआ था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-113 के थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सोरखा पुस्ता कॉलोनी क्षेत्र में स्थित विष्णु नगर कॉलोनी में रहने वाले तोताराम के पुत्र राघव ने रविवार को अपने पड़ोसी के मकान में पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि नहीं हुई है।

उच्च न्यायालय ने गोद लेने की लंबी प्रतीक्षा अवधि का स्वतः संज्ञान लिया, अधिकारियों से जवाब मांगा

बंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने गोद लेने के मामलों में कथित देरी और लंबी प्रतीक्षा अवधि का सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र तथा केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) से जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की पीठ ने कहा कि मीडिया की एक खबर में बच्चों को गोद लेने की इच्छा रखने वाले दंपतियों की शिकायतों को उजागर करने के बाद उन्हें प्राप्त पत्र के आधार पर एक जनहित याचिका शुरू की गई है। खबर के अनुसार, भारत में गोद लेने की औसत प्रतीक्षा अवधि तीन साल से अधिक हो गई है। पीठ ने मामले में वरिष्ठ वकील मिलिंद साठे और अधिवक्ता गौरव श्रीवास्तव को अदालत की सहायता के लिए 'न्याय मित्र' नियुक्त किया। न्यायाधीशों ने केंद्र और सीएआरए को अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 23 जून को तय की। सीएआरए के आंकड़ों का हवाला देते हुए खबर में कहा गया है कि विभिन्न श्रेणियों के 35,000 से अधिक भावी अभिभावकों ने गोद लेने के लिए पंजीकरण कराया है, जबकि गोद लेने के लिए उपलब्ध बच्चों की संख्या लगभग 2,400 है।

प्रियंका ने कलपेट्टा में नए पासपोर्ट सेवा केंद्र का दौरा किया

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र कलपेट्टा में नये पासपोर्ट सेवा केंद्र का दौरा किया और वहां इसके संचालन की समीक्षा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पार्टी नेताओं के साथ कार्यालय पहुंची कांग्रेस महासचिव का क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (कोझिकोड) अरुण मोहन और अन्य लोगों ने स्वागत किया। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान सांसद ने केंद्र में प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या 120 तक बढ़ाने पर विचार करने का सुझाव दिया। प्रियंका गांधी ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान नया पासपोर्ट सेवा केंद्र खुलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि यह लोगों के लिए खुला है क्योंकि यह उनके लिए बहुत सुविधाजनक होगा। यह एक मोबाइल प्रणाली भी है जो अधिक दूरदराज के इलाकों में जाती है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विचार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र में प्रतिदिन लगभग 40 पासपोर्ट की प्रक्रिया आगे बढ़ती है और उन्हें यकीन है कि यह संख्या बढ़ेगी।

ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी में कुत्ते के झपटने से 10 फीट नीचे गिरी महिला, रीढ़ की हड्डी टूटी

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ईको विलेज-1 सोसाइटी में सोमवार सुबह वॉक कर रही एक महिला पर पालतू कुत्ता झपट पड़ा। कुत्ते से खुद को बचाने के चक्कर में लगभग 10 फीट ऊंचे पोडियम से नीचे गिर गई। इसके चलते उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोसाइटी के एनटू टावर स्थित फ्लैट नंबर-507 में पिछले तीन वर्ष से 37 वर्षीय महिला अथर परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति मुनीब ने बताया कि अथर सोमवार सुबह करीब 9 बजे रोजाना की तरह सोसाइटी में पोडियम पर घूम रही थीं, तभी सामने से एक महिला पालतू कुत्ते को लेकर आती हुई दिखाई दी। अथर को देखकर कुत्ता उनकी ओर भौंकते हुए काटने के लिए दौड़ा। कुत्ते को अपनी ओर आता देख अथर डर गई और खुद को बचाने की कोशिश करने लगीं। इसी दौरान हड़बड़ाहट में वह पोडियम की रेलिंग से करीब 10 फीट नीचे आ गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। सोसाइटी के लोगों ने उनको घटना की सूचना दी

और फौरन ही अथर को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि अथर की रीढ़ की हड्डी टूट गई है। इसके चलते महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद से सोसाइटी के लोगों में कुत्तों को लापरवाही से घुमाने वालों के खिलाफ गुस्सा है।

एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि पुलिस ने पति मुनीब की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सोसाइटी में कुत्ता लेकर जा रही आरोपी महिला मंदिरा मित्रा को हिरासत में ले लिया है। कुत्तों के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं = सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शर्मा का कहना है कि सोसाइटी में कुत्तों के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं किया गया है। पूरी सोसाइटी में पालतू कुत्ते बिना मजल के घूमते रहते हैं। कई बार कुत्तों के गले में रस्सी भी नहीं बांधी जाती है। बच्चों के खेलने वाले क्षेत्र में भी कुत्ते घूमते रहते हैं। इस संबंध में कई बार सोसाइटी में हुई बैठकों में मांग रखी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

पूरी घटना सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका 31 सेकेंड का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में एक महिला कुत्ते के साथ जाती दिखाई दे रही है। उसके हाथ में कुत्ते के गले में पड़ी रस्सी का एक छोर है। सामने से आ रही अथर की ओर कुत्ता भौंकते हुए दौड़ लगाता है। कुत्ता पालने वाली महिला उसे खींचने का प्रयास करती है, लेकिन रोकने में असफल रहती है। पोडियम से महिला के नीचे गिरने के बाद कुत्ता पालने वाली महिला और उसका कुत्ता रेलिंग से नीचे झांकते दिखाई दे रहे हैं। व्यवस्था का पालन नहीं हो रहा = सोसाइटी में व्यवस्था प्रबंधन के मुखिया मनु त्यागी का कहना है कि उन्होंने कई बार कुत्तों को घुमाने को लेकर व्यवस्था बनाई। वह जब भी व्यवस्था का पालन कराने की बात करते हैं तो उनके खिलाफ शिकायत हो जाती है। डॉग लवर्स नियमों का विरोध करते हैं। इसके चलते सोसाइटी में व्यवस्था नहीं बन पा रही है। इस घटना के बाद एक बार फिर बैठक करके व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जाएगा।

फरीदाबाद में 10वीं क्लास की छात्रा से चलती कार में दुष्कर्म, रास्ते से अगवा कर लूटी आबरू

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद के तिगांव थाना क्षेत्र में 10वीं क्लास में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा के साथ चलती कार में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों ने शनिवार को छात्रा के स्कूल से जाते समय उसे कार में अगवा कर वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद आरोपी लड़की को बीच रास्ते में कार से फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्रा तिगांव थाना क्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल में दसवीं क्लास में पढ़ती है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया है कि शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे वह पैदल स्कूल जा रही थी। इस दौरान एक कार से आए दो युवकों ने उसे रास्ता रोककर जबरन कार में अंदर खींचकर अगवा कर लिया। फिर चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शोर मचाने पर उसे बीच रास्ते में कार से फेंककर फरार हो गए। वह किसी तरह घर पहुंची और घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद रविवार रात पीड़िता की मेडिकल जांच कराई। भाई को स्कूल छोड़ने के बाद जा रही थी अपने स्कूल : पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय छात्रा पड़ोस के गांव के स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती है। उसका 10 वर्षीय भाई भी यहीं के एक निजी स्कूल में पढ़ता है। लड़की ने पहले अपने भाई को उसके स्कूल में छोड़ा और फिर अपने स्कूल के लिए चल दी। इस दौरान बदमाशों ने उसे चलती कार में अगवा कर लिया और दुष्कर्म किया 7 पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि आरोपी उसे कार में घुमाते रहे। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ रेप करते रहे। दोपहर बाद वो मुझे गांव के पास कार से फेंककर फरार हो गए। वह किसी तरह घर पहुंची और परिवार को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद रविवार रात को तिगांव थाने में पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

हरियाणा में पीने के शौकीनों के लिए बुरी खबर, महंगी होगी शराब; नेशनल-स्टेट हाईवे से हटेंगे ठेके

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा में शराब के शौकीनों के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी गई है। नई आबकारी नीति लागू होने के बाद हरियाणा में अलग-अलग कैटेगिरी की शराब के दामों में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। आबकारी विभाग के सूत्रों के मुताबिक अभी स्पष्ट तौर पर कुछ तय नहीं हो पाया है लेकिन विभाग की ओर से जल्द ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। नई आबकारी नीति में विभाग की ओर से आंशिक तौर पर कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। इस नीति के तहत नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे अब पर कोई भी शराब की दुकान या ठेका नहीं खोला जा सकेगा। वहीं अहातों की फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा आबकारी नीति वर्ष को अब वित्त वर्ष के साथ जोड़ा जाएगा। जानकारी के मुताबिक नई आबकारी नीति 12 जून 2025 से 31 मार्च 2027 तक के लिए लागू होगी, जिसके बाद भविष्य की सभी नीतियां अप्रैल से मार्च वित्त वर्ष के अनुसार संचालित होंगी। इस नीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने 14,064 करोड़ रुपए के राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में आबकारी एवं कराधान विभाग ने 12,650 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 12,700 करोड़ रुपए का राजस्व पहले ही जुटा लिया है। नई पॉलिसी में तय किया है कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर शराब के ठेकों की दुकानें दिखाई नहीं देनी चाहिए। इन ठेकों पर किसी तरह के डिस्पले बोर्ड भी नहीं लग सकेंगे। ठेकों के बाहर 'शराब पीना सेहत के लिए खतरनाक है' और 'शराब पीकर ड्राइव न करें' जैसे बोर्ड भी लगाने होंगे। इन आदेशों को ना मानने पर पहली बार में एक लाख रुपए का जुर्माना होगा। वहीं दूसरी बार में दो लाख और तीसरी बार गलती करने पर तीन लाख का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद भी अगर पॉलिसी का उल्लंघन होता है तो लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। नई आबकारी नीति के तहत ठेकों की संख्या में कोई बदलाव नहीं है। राज्य को 1200 जोन में बांटा जायेगा। वहीं बस स्टैंड, स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थानों से ठेकों की दूरी अब 150 मीटर की गई है, पहले यह दूरी 75 मीटर होती थी। इस नई नीति में यह प्रावधान किया गया है कि 500 से कम आबादी वाले गांव में एक भी ठेका नहीं खोला जाएगा। इस प्रावधान से अब लगभग 700 से ज्यादा गांवों में 152 ठेके बंद हो जाएंगे। आबकारी नीति में आहते खोलने के लिए अब नियम तय किए हैं। आहतों के रेट में बढ़ोतरी भी की गई है। गुरुग्राम-फरीदाबाद में आहता खोलने का शुल्क लाइसेंस फीस का चार प्रतिशत, सोनीपत व पंचकूला में लाइसेंस फीस का 3 प्रतिशत और प्रदेश के बाकी जिलों में लाइसेंस फीस का एक प्रतिशत शुल्क देना होगा।

राजस्थान में एसआई भर्ती के भविष्य पर सस्पेंस कायम

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान की चर्चित एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में पेपर लीक मामले को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने सोमवार को हुई सुनवाई में सख्त रुख अपनाते हुए सरकार को 15 मई तक भर्ती को रद्द करने या बरकरार रखने का स्पष्ट निर्णय लेने का अंतिम मौका दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार समयसीमा में निर्णय नहीं लेती, तो अदालत खुद अंतिम फैसला सुनाएगी।

दरअसल, हाईकोर्ट ने 21 फरवरी को सरकार को पेपर लीक की जांच और विभिन्न संस्थाओं की सिफारिशों के आधार पर दो महीने में फैसला लेने का समय दिया था। लेकिन सोमवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि अभी तक सरकार किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। 13 मई को प्रस्तावित कैबिनेट सब कमेटी की बैठक के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब

और समय नहीं दिया जाएगा। मामले में ईडी ने भी जांच शुरू कर दी है।८स्त्र आरडी रस्तोगी ने कोर्ट को बताया कि दो मुख्य आरोपियों हर्षवर्धन कुमार मीणा और राजेन्द्र यादव से पूछताछ की अनुमति अब पीएमएलए कोर्ट से मिल चुकी है। अब इस मामले में आर्थिक लेन-देन की भी जांच होगी।

गौरतलब है कि आरपीएससी ने 2021 में 859 पदों के लिए एसआई भर्ती निकाली थी। लेकिन पेपर लीक के बाद एसओजी ने जांच शुरू की और अब तक 150 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें 50 ट्रेनी एसआई शामिल हैं। 10 जनवरी 2024 को कोर्ट के आदेश पर फील्ड पोस्टिंग पर रोक लगा दी गई थी, जो अब भी लागू है।

याचिकाकर्ताओं की मांग है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द की जाए क्योंकि एसओजी, पुलिस मुख्यालय, एडवोकेट जनरल और कैबिनेट सब कमेटी सभी इसकी सिफारिश कर चुके हैं। अब तक 86 एसआई बर्खास्त भी हो चुके हैं। दूसरी ओर, चयनित अभ्यर्थी इसे अन्याय बता रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि वे निर्दोष हैं और भर्ती रद्द हुई तो उनका कॅरियर खत्म हो जाएगा।

हिल स्टेशन या तीर्थ? माउंट आबू के नाम में बदलाव पर बवाल

माउंट आबू, एजेंसी।
राजस्थान के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू का नाम बदलने की सरकारी कोशिशों ने सियासी और सामाजिक तूफान खड़ा कर दिया है। प्रस्तावित नया नाम आबू राज तीर्थ सुनते ही शहर में बवाल मच गया। सोमवार को माउंट आबू में 23 सामाजिक संगठनों ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया और इसे जनता की राय के बगैर थोपा गया फैसला बताया।

नाम बदलने की चर्चा अक्टूबर 2024 में नगरपालिका की बैठक में शुरू हुई थी, लेकिन असल खलबली तब मची जब 25 अप्रैल को स्थानीय स्वशासन विभाग ने नगर पालिका को एक पत्र भेजकर इस पर राय मांगी। यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय से हुई पिछली बातचीत और 15 अप्रैल को सांख्यिकी उप निदेशक के नोट पर आधारित था। प्रदर्शनकारी साफ कह रहे हैं कि यह बदलाव माउंट आबू की पहचान मिटा देगा। होटल एसोसिएशन के सचिव सौरभ गंगाडिया ने चेतावनी दी, नाम बदला, तो टूरिज्म तबाह होगा। बेरोजगारी बढ़ेगी, और अगर मांस-शराब पर प्रतिबंध लगा, तो सैलानी आएंगे ही क्यों? नक्की झील संघ के अध्यक्ष विकास सेठ बोले, 'आबू राज तीर्थ' नाम से भ्रम पैदा होगा कि यह सिर्फ धार्मिक स्थल है। आम पर्यटक खींचे चले आने के बजाय दूरी बनाएंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी के एक सदस्य ने चिंता जताई कि तीर्थ स्थल घोषित होने पर सामाजिक और धार्मिक

नियम लागू होंगे, जिसे संभालना नगर पालिका के बूते से बाहर है। स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं कि माउंट आबू के एक विधायक और एक मंत्री नाम और माहौल दोनों बदलने के पीछे सक्रिय हैं। आरोप है कि ये लोग क्षेत्र में शराब और मांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की योजना बना रहे हैं। खबर यह भी है कि मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते मुख्यमंत्री माउंट आबू के दौरे पर आ सकते हैं, और तब इस पर अंतिम मुहर लग सकती है। इतिहास की बात करें तो माउंट आबू का आधुनिक विकास 1830 में शुरू हुआ, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे सिरोही रियासत से लीज पर लिया और 1845 में इसे राजपूताना एजेंसी का ग्रीष्मकालीन मुख्यालय बनाया गया। आज यह हिल स्टेशन लाखों पर्यटकों की पसंद है, लेकिन नाम बदलते ही इसके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंजाब-हरियाणा और दिल्ली के बाद अब हिमाचल भी पानी विवाद में कूदा

शिमला, एजेंसी। पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के बीच मचे घमासान के बाद हिमाचल प्रदेश भी विवाद में कूद पड़ा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सवाल उठा दिया है कि वह पानी के बदले राज्य को क्या मिल रहा है? सुक्खु ने कहा कि पानी के लिए पंजाब और हरियाणा लड़ रहे हैं, लेकिन यह उन्हें हिमाचल से मिल रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून के मुताबिक सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान राज्यों के बीच पानी के बंटवारे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को पानी का अधिकारपूर्ण हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, पानी हिमाचल प्रदेश का सबसे कीमती पाकृतिक संसधान है। राज्य 12000 मेगावाट बिजली पैदा करता है, फिर भी हिमाचल को इसमें क्या मिला है? एसजेवीएनएल 6700 करोड़ की कंपनी बन चुकी है, लेकिन हमें यह पूछने की जरूरत है कि हिमाचल को क्या मिला? पंजाब और हरियाणा पानी पर लड़ रहे हैं, लेकिन यह हिमाचल से बह रहा है। हमें बदले में क्या मिल रहा है? पुरानी सरकार से उन्हें यह विरासत में मिली है। उन्होंने कहा, जब हमने राज्य में सरकार बनाई तो विरासत में 75 हजार करोड़ का कर्ज और कर्मचारियों के 10 हजार करोड़ बकाया था। अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए हमने मजबूत फैसले लिए। ईमानदार और पारदर्शी शासन से हमने पिछले ढाई साल में 2500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व हासिल किया। हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है।

अदम्य साहस का प्रमाण: एंटी-नक्सल ऑपरेशन में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट घायल

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर केजीएच हिल्स पर चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशन के दौरान सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सागर बोराडे आईईडी बम की चपेट में आकर बुरी तरह घायल हो गए। सागर बोराडे एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पर पैर पड़ने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद डॉक्टरों को उनका एक पैर काटना पड़ा।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 204 कोबरा बटालियन के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस ऑपरेशन में पहले एक आईईडी विस्फोट में एक जवान घायल हो गया था। टीम का नेतृत्व कर रहे सागर बोराडे ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना घायल जवान को वहां से निकालने के लिए जैसे ही कदम बढ़ाया, उनका पैर आईईडी बम पर पड़ गया। इसके चलते उनके बाएं पैर में गंभीर चोट आई। उन्हें तुरंत रायपुर ले जाया गया और बाद में एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स ले जाया गया, जहां इन्फेक्शन को फैलने से रोकने के लिए उनके बाएं पैर को काटना पड़ा।

फिलहाल असिस्टेंट कमांडेंट सागर बोराडे की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की गहन निगरानी में हैं। उनकी बहादुरी, नेतृत्व और कर्तव्य की भावना भारत के सुरक्षा बलों की अदम्य भावना का एक शानदार उदाहरण है।

केजीएच हिल्स में सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है। सुरक्षा बल इन अत्यधिक खतरनाक और आईईडी से भरे जंगलों में नक्सली ठिकानों की तलाश कर रहे हैं।

मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म करने के प्रयास में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर गहन नक्सल विरोधी अभियान चला रहे हैं। यह ऑपरेशन 2

सप्ताह से चल रहा है। 29 अप्रैल को, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा बलों को धन्यवाद दिया। साय ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हम सभी विभागों की समीक्षा बैठकें करते रहते हैं। मैंने अभी छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर चल रहे सबसे बड़े नक्सली अभियान के बारे में जानकारी ली है। हम वहां की स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा बलों को धन्यवाद देना चाहते हैं।

यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर के पास 800 वर्ग किलोमीटर के बड़े क्षेत्र में चलाया जा रहा है, जिसमें करेगुट्टा पहाड़ियां भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ और केंद्रीय बलों के 24,000 से ज्यादा जवान इस ऑपरेशन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि केजीएच हिल्स कई मोस्ट-वांटेड नक्सली नेताओं का ठिकाना है, और यह इलाका घने जंगलों से घिरा हुआ है और यहां जमीन में भारी मात्रा में घातक आईईडी छुपे हुए हैं।

न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार, छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक गांव के उप सरपंच की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेनपल्ली गांव में सोमवार को नक्सलियों ने तारलागुड़ा गांव के उप सरपंच मुचाकी रामा की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि रामा बेनपल्ली गांव के निवासी थे तथा वह तारलागुड़ा गांव में उप सरपंच थे। पुलिस के मुताबिक सोमवार को दोपहर बाद लगभग 3 बजे हथियारबंद नक्सली बेनपल्ली गांव पहुंचे और उन्होंने रामा को बुलाया और उनकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जब घटना की सूचना मिली तब पुलिस टीम को बेनपल्ली गांव रवाना किया गया तथा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने हमलावरों की खोज शुरू कर दी है।

बुधनपुर में धार्मिक स्थल के पास शीतल पेयजल की व्यवस्था ठप

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷ । जगह-जगह लगे शीतल जल प्याऊ आज केवल दिखावे की वस्तु बनकर रह गए हैं। कभी राहगीरों को गर्मी में राहत देने के उद्देश्य से लगाए गए ये प्याऊ अब बंद पड़े हैं या उनकी हालत खश्ता हो चुकी है। बुढ़नपुर के स्थानीय लोगों का कहना है कि इन प्याऊओं की नियमित सफाई और जलापूर्ति नहीं हो रही। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग ने इनकी मरम्मत की शिकायत की परंतु ध्यान नहीं दिया है। गर्मी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और राहगीर, मजदूर, रिक्शाचालक जैसे आम लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। जनता की मांग। स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधि से अपील की है कि इन प्याऊओं को जल्द से जल्द चालू किया जाए और उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए ताकि गर्मी में लोगों को राहत मिल सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया जनसंपर्क अभियान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷ । भारतीय जनता पार्टी द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर अनुसूचित जाति वर्ग के प्रबुद्ध लोगों से किया जनसंपर्क। कार्यक्रम संयोजक रोहित रवि ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल से लगातार कोई ना कोई कार्यक्रम अनुसूचित जाति एवं अंबेडकर समाज के अनुयायियों के मध्य कर रही है उसी के क्रम में आज नगीना नगर में कई बूथ पर अनुसूचित जाति समाज के प्रबुद्ध जनों से संपर्क साधकर उनको सम्मानित किया तथा भाजपा की योजनाओं के बारे में बताया कार्यक्रम में भाजपा नेता रोहित रवि ने वर्तमान मंडल अध्यक्ष नीरज बिश्नोई मीडिया प्रमुख मुकेश चौधरी,डॉक्टर भूपेश चौहान, सोहन सैनी, बूथ अध्यक्ष मनोज कुमार, बूथ अध्यक्ष अमन कुमार,प्रेम सिंह, नवीन कुमार, निशांत कुमार, आशीष कुमार, सीताराम सिंह, धर्मेंद्र कुमार, दीपक भाऊ, अमित कुमार, मीना देवी,सुदेश देवी, शेर सिंह, अर्जुन कुमार, महिपाल सिंह व नगर वासी उपस्थित रहे कार्यक्रम में रेलवे कर्मी शिक्षक सामाजिक समिति के अध्यक्ष आदि को सम्मानित किया गया।

विधायक ओम कुमार ने नगर पालिका में जन समस्याओं को सुना

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷ । पालिका कार्यालय पर भाजपा विधायक ओमकुमार ने लोगों की जन समस्याओं को सुना और भाजपा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक ओमकुमार व उनकी पत्नी महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष शोभा रानी पालिका कार्यालय पहुंची। सोनी सलमानी, रेशमा खातून, नाजमा सलमानी, निक्की परवीन, शबनम जहां, मेहताब फरीदी, नसीमा खातून, अलीना, फरीदा खातून, इमराना खुर्शीदा, अफसाना आदि अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं ने नगर में जरुरतमंदों लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, विधवा व विकलांग पेंशन आदि मांगों को रखा। विधायक ओमकुमार ने लोगों की समस्याओं को सुना और शीघ्र समाधान कराएं जाने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में हर गरीब जरूरतमंद लोगों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विश्तार पूर्वक जानकारी दी।

विश्वकर्मा समाज की बैठक में जमानत उत्थान को लेकर किया गया चिंतन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷ । विश्वकर्मा समाज की एक बैठक मा. अरुण कुमार शर्मा मंडल महामंत्री नगीना भाजपा के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य श्रीमान दिनेश धीमान ने एवं संचालन श्रीमान अनिल धीमान एडवोकेट अध्यक्ष धीमान ब्राह्मण सभा नगीना ने किया बैठक के मुख्य अतिथि श्रीमान शिव कुमार जी प्रांतीय निरीक्षक सेवा भारती एवं वेद प्रकाश विश्वकर्मा भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा विकास सेवा संगठन रहे। बैठक में विश्वकर्मा समाज के उत्थान के लिए विचार किया गया इसी के साथ और सरकार में अपने समाज का प्रतिनिधित्व नियुक्त होने पर जोर दिया गया और जातीय जनगणना मैं अपने को धीमान लिखवाना सुनिश्चित करें जनपद बिजनौर में लगभग 100000 से ज्यादा धीमान समाज के वोट हैं। लेकिन हमारे समाज की गिनती कोईभी पार्टी नहीं करती हमें संगठित होकर अपनी आवाज उठानी है और अपना अधिकार प्राप्त करना है। इस अवसर पर दयानंद धीमान, राम अवतार शर्मा, जगदेव धीमान, हरदेव धीमान, धनीराम विश्वकर्मा, भुवन चंद्र विश्वकर्मा, शुभम धीमान, विपिन, सत्यपाल विश्वकर्मा, कृष्ण देव शर्मा दिनेश इलेक्ट्रीशियन, राम अवतार शर्मा, रोहित प्रधान आदि ने अपने विचार व्यक्त किया।

चारा काट रहे किसान पर गुलदार ने किया हमला सीएससी मैं भरती

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव फुलसंदा खाकम में मंगलवार को चारा काट रहे किसान पर गुलदार ने हमला कर गंभीर रूप से घायल किया।उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे जिला अस्पताल रैफर किया गया है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जंगल में कांबिग की लेकिन गुलदार का कोई अता पता नहीं लग सका है। गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगवाया है।

मंगलवार की सुबह करीब 10:00 बजे गांव फुलसंदा खाकम निवासी 40 वर्षीय खुर्शीद अहमद पुत्र अब्दुल शकूर अपने खेत में से पशुओं के लिए चारा लेने के लिए गया था। बताया जाता है कि वह चारा काट रहा था। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने उसे पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से सीएचसी में लाया गया।जहां से जिला अस्पताल रैफर किया गया है। गुलदार के हमले को लेकर जंगल में काम कर रहे किसानों में दहशत का माहौल पैदा हो गया।

सूचना पर वन विभाग की टीम व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने जंगल में कांबिग की।इससे पूर्व भी शौकत अली के खेत में भी गुलदार एक पशु को निवाला बना चुका है। लगातार गुलदार की दशतक क्षेत्र में देखी जा रही है जिसको लेकर किसान चिंतित है। वन रेंजर गोविंद राम गंगवार ने बताया कि गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है। घायल को शासन की ओर से मिलने वाली सहायता राशि दिलवाई जाएगी। किसान जंगल में समूह के रूप में जाए और सतर्कता बरते।

हाईवे किनारे आम के बाग में पेड़ से लटका मिला शव

एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना किरतपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब ग्राम ढाकी के सामने हाईवे ओवर ब्रिज के पास आम के बाग में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान ग्राम ढाकी साधो निवासी 22 वर्षीय हेंसी पुत्र विनोद के रूप में हुई है।

घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। जब शव को ध्यान से देखा गया तो मृतक के हाथ और मुंह कपड़े से बंधे पाए गए। इससे मामले में हत्या की आशंका गहराती दिख रही है।

मृतक के परिजनों ने स्पष्ट तौर पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हेंसि सोमवार शाम किसी जरूरी काम का हवाला देकर घर से निकला था, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटा।

घटना स्थल से युवक की बाइक और बैग बरामद

शव से कुछ दूरी पर युवक की बाइक और बैग भी बरामद हुए हैं, जो संदेह को और बढ़ा रहे हैं। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर मौके से सबूत जुटाए हैं और एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अभिषेक झा, एसपी सिटी संजीव बाजपेई समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। एसपी अभिषेक झा ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह साफ हो पाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पुत्र को बचाने में ट्रक की चपेट में आकर दोनों पैर टूटे

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

धामपुर मार्ग पर कश्मीरी अड्डे पर पुत्र को बचाने के चक्कर में एक युवक ट्रक की चपेट में आ गया। जिससे उसके दोनों पैर ट्रक पहिए के नीचे आने से बुरी तरह से कुचल गए। इसके अलावा नहटौर नूरपुर मार्ग पर बालापुर के पास स्कूल के स्टाफ की वैन को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।जिसमें 6 लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

स्योहारा क्षेत्र के गांव अमीनाबाद निवासी अनिल पुत्र ज्ञानचंद अपने परिवार के साथ कश्मीरी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था। बताया जाता है कि मंगलवार को करीब 4:00 बजे कश्मीरी अड्डे पर टेंपो से उतरा। उसका पुत्र सड़क पार करने के लिए भागने लगा इसी दौरान पुत्र को पकड़ने के दौरान तेज गति से आ रहे हैं ट्रक की चपेट में अनिल आ गया।

ट्रक के पहिए के नीचे उसके दोनों पैर कुचल गए। इसके अलावा नहटौर नूरपुर मार्ग पर गांव बालापुर के पास एक स्कूल के स्टाफ की वैन को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें गांव सिजोली निवासी सुशीला 45 वर्ष पत्नी हरिराज,हरिराज 50 वर्ष पुत्र रामकिशन, हल्दौर के सलारपुर निवासी चांद मोहम्मद 42 वर्ष पुत्र अशरफ, नगीना थाने के शेखपुर आफाक 35 वर्ष पुत्र साबिर सहित 6 लोग घायल हो गए। घायलो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोटरसाइकिल की चक्कर में एक बाइक सवार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

धामपुर मार्ग पर गांव दुगरी के सामने डीसीएम ओवरटेक करते समय दो बाईको की आमने-सामने की भिड़ंत होने पर एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।दो घायलो को जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सांय करीब 7:00 बजे नहटौर धामपुर मार्ग पर गांव दुगरी के सामने डीसीएम को ओवरटेक करते समय दो बाईको की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।जिसमें स्योहारा क्षेत्र के गांव कादराबाद खुर्द निवासी सनी पुत्र बंटी सिंह, नवनीत पुत्र वीरभान व धामपुर क्षेत्र के गांव सेढा निवासी फैसल पुत्र तस्लीम और समीर पुत्र फुरकान घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। सनी 18 वर्ष को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल समीर व नवनीत को जिला अस्पताल रैफर किया गया। फैसल को प्राइवेट चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मृतक के शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।गांव कादराबाद खुर्द के दोनों युवक नहटौर क्षेत्र के गांव रामपुर में दोश्त की बहन में शादी में शामिल होकर घर लौट रहे थे।सनी डी फार्मा का छात्र था और वह अपने घर में अकेला पुत्र बताया जा रहा है।

4 वर्ष के बच्चे पर कुत्ते ने बोला हमला गंभीर रूप से किया घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ग्राम ताहरपुर सैद उर्फ तरकौला में खेल कर घर आ रहे एक चार वर्षीय बच्चे पर कुत्ते ने हमला करते हुए उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते के हमले के दौरान घायल मासूम बच्चा नाली में जा गिरा।

घायल बच्चे को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा क्षेत्र में नौ अन्य लोगों पर कुत्तों ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ताहरपुर सैद उर्फ तरकौला में सादिक का चार वर्षीय पुत्र अयान खेल के घर आ रहा था। घर के दरवाजे के पास ही कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। हमले के दौरान बच्चा नाली में जा गिरा । कुत्ते ने बच्चे के कान को बुरी तरह नोंच कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

स्वजनों को पता लगने पर बच्चे को सीएचसी में भर्ती कराया। इसके अलावा नहटौर क्षेत्र में सुबरा साजिया, उमेश कुमार सहित नौ लोगों को कुत्ते के काटने पर सीएचसी में वैक्सीन लगाई गई। ग्रामीण व नगर क्षेत्र में कुत्तों का आतंक है।

करीब दस लोग रोजाना सीएचसी में वैक्सीन लगवाने के लिए आते हैं। आरोप है कि गर्मी शुरू होती ही कुत्ते खूंखार होते जा रहे हैं और अधिकांश बच्चों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने अभियान चला कर कुत्तों को पकड़वाए जाने की मांग की है।

चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर आशीष आर्य का कहना है कि एंटीरेबीज वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में है। प्रत्येक दिन करीब दस लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है।

खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह ने बताया कि संबंधित ग्राम पंचायत सचिवों को कुत्तों को पकड़ने के लिए निर्देशित किया है। पालिका के ईओ ओम गिरी ने बताया कि कुत्तों को पकड़वाया जाएगा।

सीएचसी अधीक्षक ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिरो का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

पांच सी एचओ मिले अनुपस्थित सभी को चेतावनी पत्र जारी। जिलाधिकारी ओर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वही डॉ कौशलेंद्र सिंह अधिकारी के संयुक्त आदेशों के क्रम में आज औचक निरीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉक्टर बीके स्नेही द्वारा हेल्थ बैलेंस सेंटर आयुष्मान आरोग्य मंदिर पालनपुर ,बिशनपुरा, रवाना शिकारपुर, गल्ला खेड़ी ओर मंगलखेडा आदि का निरीक्षण किया गया। आयुष्मान आरोग्या मंदिर पालनपुर, विशनपुरा, रवाना शिकारपुर, गल्लाखेड़ी ओर मंगलखेडा के कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर,अनुपस्थित पाए गए

उपरोक्त सभी को चेतावनी पत्र जारी कर दिए गए हैं ओर उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है। साथ ही सी एच ओ को अपना स्पष्टीकरण दो दिन के अंदर उपलब्ध कराए जाने को आदेशित किया गया है। अन्यथा आपके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। आप लोगों के द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया जा रहा है। शासन के आदेशों की घोर अव्हेलना आप द्वारा की जा रही है। आप सभी के अनुपस्थित होने से आभा आईडी, ई संजीवनी, ओपीडी , एन सी डी स्क्रीनिंग, निश्चय आई डी के साथ साथ कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम बाधित हो रहे है। निरीक्षण के दौरान हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार सिंह ओर मनोज कुमार आदि भी उपस्थित रहे।

एचएमआई इंटर कॉलेज में पहलगाम में आतंकवादी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

विश्व ग्राम संगठन के बैनर तले दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर गीता सिंह के मार्गदर्शन में सौ कदम दौड शहीदों के नाम शीर्षक से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एचएमआई इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य सय्यद बिलाल अहमद जैदी की अध्यक्षता और मिसाल मेहदी के संचालन मे पहलगाम के मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक शोकसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैय्यद बिलाल अहमद जैदी ने कहा कि इंसानियत से बढ़कर कोई धर्म बढ़कर काई धर्म नहीं होता है।

उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे कायरता पूर्ण कार्य बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर हत्याकांड को अंजाम दिया है।

यह आपसी भाईचारे के माहौल को बिगाड़ने की साजिश है। उन्होंने देशवासियों से सयम बरतने और सरकार से आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कदम उठाने की अपील करते हुए कहा देश कि एकता और अखंडता के लिए सबको साथ मिल कर आतंकवाद का सामना करना होगा।

शोकसभा में दो मिनट का मौन धारण कर पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साथ ही आतंकवाद विरोधी पोस्टर व पट्टिकाओं के साथ छात्र-छात्राओं ने प्रोफेसर गीता सिंह के मार्गदर्शन में दौड़ का आयोजन किया।

इस अवसर पर प्रवक्ता अलीम अहमद, प्रवक्ता खान कसीम अहमद, अफजाल कुरैशी, जय देव त्यागी, प्रवक्ता रामावतार सिंह, नौशाद अहमद, आमिर रिहान, डॉ. परवेज इकबाल, सैय्यद जुहैब हैदर, काशिफ हुसैन, मौहम्मद जिया, प्रवक्ता महमूद अहमद अरशद अहमद, फहीम अख्तर, जुबैर अहमद, जावेद खान, दीपक कुमार, प्रवक्ता शुएब हनीफ, मौहम्मद हारून, जहीन अहमद, सरकार हैदर, प्रवक्ता सैय्यद अफजाल अहमद, वसीम कुरैशी, हारून अहमद एवं अध्यापिका राना कमाल मुश्तवशिरा जीनत परवीन व आफरीन शाकिर उपस्थित रहीं।

एक रात-चार मुठभेड़, चोरी-लूट और गैंगस्टर में वांछित बदमाश गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद जिले में अपराध पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने बीती रात कार्रवाई की। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुल चार मुठभेड़ हुईं, जिनमें कई कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया गया।

कुछ बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल भी हुए हैं। इन अभियानों में चोरी, लूट और गैंगस्टर एक्ट में वांछित अपराधियों को पकड़ा गया है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक में चार शातिर चोर गिरफ्तार हुए हैं। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गाड़ियों के शीशे तोड़कर सामान चोरी करने वाले चार पेशेवर चोरों को गिरफ्तार किया।

इन बदमाशों के पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें, 8,500 रुपये नकद, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, लोहे की गोलियां, एक गुलेल और अन्य सामान बरामद किया गया। यह गिरोह कारों के शीशे तोड़कर अंदर रखा कीमती सामान चुराता था और वाहन चोरी की घटनाओं में भी लिप्त था। मुरादनगर में एक इनामी बदमाश घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है।

स्वाट टीम, क्राइम ब्रांच और मुरादनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 25 हजार रुपये के इनामी और गैंगस्टर एक्ट में वांछित शातिर अपराधी को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में दबोचा। इस कार्रवाई में बदमाश के पास से हथियार भी बरामद हुआ।

थाना विजयनगर पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया जो हाल ही में लूट की घटना में शामिल था। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें वह घायल हो गया। आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल और 31,140 रुपये नकद बरामद हुए।

थाना नंदग्राम पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गया। आरोपियों के पास से एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, घटना में इश्तेमाल मोटरसाइकिल और लूटे गए सोने के कुंडल बरामद हुए हैं।

नाबालिग लड़के ने लगाई फांसी, हुई मौत

✷एनसीआर टुडे. पलवल ✷

पलवल जिले में एक 14 वर्षीय किशोर ने मामा के घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए शहर के सामान्य अस्पताल में भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस द्वारा परिजनों से पूछताछ करने का प्रयास किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार मीरपुर कौराली गांव का रहने वाला मनीष 10 दिन पहले अपने मामा वीरेंद्र के राजीव नगर स्थित घर आया था। मंगलवार की सुबह मनीष बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रहा था।

कुछ देर बाद वह अचानक घर के अंदर गया और कमरे में फांसी लगा ली। मामा को जब इसकी जानकारी मिली, तो वे तुरंत उसे फंदे से उतारकर एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक मनीष की मौत हो चुकी थी।

कैंप थाना प्रभारी यशवीर ने मंगलवार को जानकारी देते हुए घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि मनीष को कोई परेशानी नहीं थी।

युवक पर धारदार हथियार से हमला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर के निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव सारा में मामूली बात को लेकर धारदार हथियार से वार कर एक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

गांव सारा निवासी राहुल सैनी रविवार रात को किसी काम से बाजार जा रहा था। जब वह बीच राश्ते पर पहुंचा तो गांव निवासी जितेन्द्र से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि जितेन्द्र ने धारदार हथियार से वार कर राहुल को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने राहुल को अस्पताल पहुंचाया।

किशोरावस्था में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वसुंधरा स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में मंगलवार को पीयर एजुकेटर्स लीडरशिप कॉन्क्लेव हुआ। कार्यक्रम में किशोरों के समक्ष बुलीइंग, सहपाठी दबाव, लक्ष्य निर्धारण और नशा सेवन जैसी चुनौतियों पर केंद्रित रहा। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल और नेतृत्व क्षमता बनाने वाले आयोजन में 20 विद्यालयों के लगभग 150 छात्रों ने हिस्सा लिया।

प्रधानाचार्य डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता और बदलाव के प्रतिनिधि बनने के लिए प्रेरित किया। एक्सप्रेशंस इंडिया के कार्यक्रम निदेशक डॉ. जितेंद्र नागपाल, गीता मेहरोत्रा, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल की उपनिदेशक मधुमिता बरुआ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

महिला के खाते से 12 हजार रुपये निकाले

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर के कस्बा पतला निवासी एक महिला से साइबर ठगों ने जानकारी लेकर उनके खाते से 12 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बा पतला निवासी मीनाक्षी ने निवाड़ी थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके पास एक युवक का फोन आया और उसने अपने आप को अधिकारी बताया। इसके बाद उसने जानकारी लेकर खाते से 12394 रुपये निकाल लिए।

स्काउट एंड गाइड शिविर आयोजित

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

राजेंद्र नगर स्थित स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवसीय स्काउट एंड गाइड कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में विद्यालय से लगभग 700 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कैंप के ट्रेनर श्याम सिंह ने छात्रों को जीवन में समाज सेवा, चरित्र निर्माण, और स्काउट एंड गाइड के महत्व के बारे में बताया।

बच्चों को स्काउट एंड गाइड के मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में भी जानकारी दी। कैंप के उद्घाटन में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश राघव, प्रधानाचार्य जगदीश रघुवंशी, शारीरिक प्रमुख राम कुमार त्यागी, और शारीरिक विभाग के सदस्य विशाल, वीरेश, नीलम, निशु, और नरेश जोशी उपस्थित थे।

फुले फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

पैरेंट्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिक्षा का महत्व बताने वाली फिल्म फुले को टैक्स फ्री करने की मांग की है। एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन मंगलवार को एडीएम सिटी गंभीर सिंह को सौंपा। एसोसिएशन का कहना है कि फिल्म के माध्यम से सावित्रीबाई फुले और उनके पतिफुले ज्योतिराव द्वारा भारत में लड़कियों के लिए स्कूल स्थापित करने एवं समाज में व्याप्त अनेकों कुरीतियों को समाप्त करने के संघर्ष को दिखाया गया है।

नोएडा के गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर 22 वर्षीय युवती ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक 25 वर्षीय युवती ने चलती मेट्रो ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली।

यह घटना स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर दोपहर बाद करीब दो बजे घटी, जिससे वहां मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान सिम्मी पुत्री राजीव रंजन के रूप में हुई है, जो वर्तमान में गेट नंबर 1, सचिन डेरी के निकट, सलारपुर, थाना सेक्टर 39 में रह रही थी।

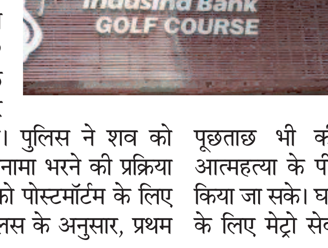

घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर 39 पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की प्रक्रिया पूरी की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन घटना के पीछे की वजह जानने के लिए जांच जारी है। मृतका के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और उनसे पूछताछ भी की जा रही है, ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों को स्पष्ट किया जा सके। घटना के चलते कुछ समय के लिए मेट्रो सेवाएं प्रभावित रहीं, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

मौके पर मौजूद यात्रियों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि कोई अन्य पहलू सामने आ सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान आने के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। थाना सेक्टर 39 पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आत्महत्या की वजह जानने के लिए सभी संभावित पहलुओं पर विचार कर रही है। लड़की का बैग और उसके जूते बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

संपादकीय

बड़े बदलावों का संकेत है जाति जनगणना

यूं तो भारत में जातिगत जनगणना का इतिहास काफी पुराना है और इस तरह की जनगणना भारत के औपनिवेशिक काल में भी की जाती थी। भारत की आजादी से पहले आखिरी बार 1931 में जातिगत जनगणना की गई थी। आजादी के बाद 1951 में हुई पहली जनगणना में जाति से संबंधित कोई भी जानकारी देशवासियों से नहीं ली गई थी।

1951 से लेकर 2011 तक भारत में सात जनगणनाएं हो चुकी हैं, लेकिन ये जनगणनाएं जाति आधारित नहीं रही। इन जनगणनाओं में अन्य मूलभूत जानकारियों के अलावा केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाती थी क्योंकि अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए भारत का संविधान आरक्षण की व्यवस्था करता है।

इन दोनों श्रेणियों के लिए नौकरियों, शैक्षणिक संस्थाओं और लोकसभा से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक आरक्षण का प्रावधान है। संविधान में इन श्रेणियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था होने के कारण ही भारत की लोकसभा में अनुसूचित जाति के लिए 84 और अनुसूचित जनजाति के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। इसी प्रकार विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में भी इन श्रेणियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इस बार केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना को जातिगत जनगणना का नाम दिया है अर्थात यह जनगणना अब जाति आधारित होगी और इसमें सभी जातियों के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे।

इस जनगणना में सबसे बड़ा रोमांच अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाली जातियों की जनगणना होने से है। यह माना जाता है कि अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या देश में आधी जनसंख्या के आसपास है। एक अनुमान के अनुसार यह आबादी 52 प्रतिशत तक हो सकती है। 1980 में मंडल आयोग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी। दस सालों तक मंडल आयोग की इस सिफारिश पर किसी भी सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया।

फिर 7 अगश्त 1990 को तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी थी और 13 अगश्त 1990 को इसके संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई थी।

उस समय इसके विरोध में सामान्य वर्ग ने इन सिफारिशों का पुरजोर विरोध किया था। कई महीनों तक इसके विरोध में पूरे भारत में हड़तालें और प्रदर्शन हुए थे। अब क्योंकि अन्य पिछड़ा वर्ग को नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में तो आरक्षण मिल चुका है, तो क्या इस जातिगत जनगणना को आधार बनाकर इस श्रेणी को लोकसभा और विधानसभाओं में भी आरक्षण की व्यवस्था कर दी जाएगी?

यदि ऐसा हो जाता है तो यह जनगणना देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगी। केंद्र सरकार द्वारा अचानक जातिगत जनगणना की घोषणा करना हर किसी को हैरानी में डालने वाली है।

जातिगत जनगणना को लेकर देश की संसद के दोनों सदनों में न केवल भाजपा और कांग्रेस में तीखी बहस हो चुकी है, बल्कि कई प्रकार की तल्ख टिप्पणियां भी इस मुद्दे पर दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर कर चुकी हैं। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी देश में जातिगत जनगणना के लिए अपनी आवाज बुलंद करते देखे गए थे।

जब कांग्रेस देश में जातिगत जनगणना की मांग कर रही थी, तो केंद्र सरकार ने अपना रुख स्पष्ट रूप से रखते हुए जातिगत जनगणना करवाने के लिए साफ इनकार कर दिया था तो फिर एकदम से केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर यू-टर्न क्यों ले लिया। " इसमें कोई संशय नहीं है कि सरकार ने जातिगत जनगणना का निर्णय बड़े सोच-विचार के बाद ही लिया है, क्योंकि यह मुद्दा बहुत ही संवेदनशील है और यह देश में बहुत बड़े राजनीतिक बदलाव की आधारशिला रखने की ताकत रखता है।

भले ही सरकार जातिगत जनगणना को देश के नीति निर्माण के लिए उपयोगी बता रही है और कांग्रेस इससे पिछड़ों को उनके अधिकार देने की बात कर रही है, लेकिन इसके पीछे राजनीतिक पार्टियों के अपने हित भी छुपे हुए हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद देश में पहले से मौजूद जातिगत विभाजन और गहरा हो सकता है और इससे सामाजिक श्तर पर कई और चुनौतियां भी पैदा हो सकती हैं। लेकिन इन सबसे बढ़ कर इस जातिगत जनगणना और इसके समय को देखा जाए, तो ऐसा लगता है कि इसका सबसे बड़ा प्रभाव राजनीतिक क्षेत्र में पडऩे वाला है।

इस जनगणना का कार्य समाप्त होते ही 2027 में देश के सात राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इन राज्यों में देश का राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इस जनगणना के आंकड़ों के आधार पर सभी दल अपनी जीत सुनिश्चित करने का भी प्रयास करेंगे। इसके अलावा जातीय जनगणना देश में 2026 में होने वाले पुनर्सीमांकन के कार्य को भी प्रभावित करेगी।

यह पुनर्सीमांकन भी जातिगत जनगणना के आंकड़ों को प्रयोग में लेकर किया जाएगा। पुनर्सीमांकन भी देश की राजनीतिक तस्वीर में बदलाव लाता है, लेकिन जब जातीय जनगणना को आधार बनाकर यह पुनर्सीमांकन का कार्य किया जाएगा तो इससे यह बदलाव काफी बड़ा और चौंकाने वाला हो सकता है।

दुनिया भर में आ सकती है चीनी माल की बाढ़

डा. अश्विनी महाजन

हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा के एक सप्ताह से भी कम समय में, 8 अप्रैल 2025 को 75 देशों पर अपने पारस्परिक टैरिफ को रोक दिया, लेकिन इस रोक में एकमात्र अपवाद था चीन, जिस पर ट्रम्प ने पहले 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 245 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसे हम दंडात्मक टैरिफ भी कह सकते हैं, क्योंकि चीन ने राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा पारस्परिक टैरिफ का जवाब देने का विकल्प चुना है।

माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, 'चीन ने विश्व के बाजारों के प्रति जो सम्मान नहीं दिखाया है, उसके आधार पर, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 125 फीसदी कर रहा हूं।

उम्मीद है कि निकट भविष्य में किसी समय चीन को एहसास होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों को लूटने के दिन अब टिकाऊ या स्वीकार्य नहीं हैं। ' हालांकि, अमेरिका को छोडक़र भारत समेत किसी भी देश ने चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ाया है, लेकिन अधिकांश देश, चीन द्वारा की जाने वाली डंपिंग से चिंतित हैं, जिससे उनके घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है।

डंपिंग का मतलब है कम दामों पर सामान बेचना। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में डंपिंग तब होती है, जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार की तुलना में विदेशी बाजार में कम कीमत पर उत्पाद का निर्यात करती है। डंपिंग को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दुरुपयोग माना जाता है। चीन ने डंपिंग की इस कला में महारत हासिल कर ली है, इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक हथियार के रूप में इश्तेमाल किया जाता है, जिसका उद्देश्य आयात करने वाले देशों के घरेलू उद्योग को खत्म करना है और एक बार जब कोई देश चीनी सामग्रियों पर निर्भर हो जाता है, तो फिर उसका शोषण शुरू हो जाता है। सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) का मामला चीनी डंपिंग और शोषण के जीते जागते उदाहरण हैं।

2004 के बाद, पेनिसिलिन जी और फोलिक एसिड सहित कई प्रकार की एपीआई को भारतीय बाजारों में बेहद कम कीमतों पर डंप किया गया। इस खेल में न केवल भारतीय एपीआई उद्योग को खत्म कर दिया गया, बल्कि देश की स्वास्थ्य सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया गया।

मार्च में, भारत ने घरेलू उद्योगों को चीनी डंपिंग से बचाने के लिए चार चीनी वस्तुओं-सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड फ्लास्क, एल्यूमीनियम पन्नी और ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया था। एंटी-डंपिंग शुल्क 276 अमेरिकी डॉलर से लेकर 1732 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक है और यह पांच साल के लिए है, जबकि एल्यूमीनियम पन्नी पर छह महीने का अस्थायी शुल्क लगाया गया है।

इससे पहले 2024 में ही, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा दायर एंटी-डंपिंग जांचों में से 79 प्रतिशत चीनी उत्पादकों के खिलाफ दायर की गई थीं। यह ध्यान देने योग्य है कि डीजीटीआर भारत में व्यापार उपायों की जांच और सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय है, जो अन्य उपायों के साथ-साथ डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की भी सिफारिश करता है।

चीन पहले से कहीं ज्यादा डंप क्यों करेगा? कारण यह है कि अमेरिकी टैरिफ के बाद, चीन के लिए अमेरिका को इतनी आसानी से निर्यात करना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए चीन निश्चित रूप से अपने उत्पादों को अन्य बाजारों में डंप करने के लिए मजबूर होगा।

सर्वप्रथम चीन के पास बहुत अधिक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, जिससे अधिशेष उत्पादन होता है। कुछ बाजारों में बेचने की क्षमता, चीन को अन्य बाजारों में समान सामग्री डंप करने के लिए मजबूर करती है। चीन का ध्यान हमेशा निर्यात आधारित विकास पर रहा है, जिसे सरकार का समर्थन प्राप्त है।

दूसरे, चीनी कंपनियों को अन्य रूपों में सब्सिडी और सरकारी सहायता मिलती है, जिससे वे अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से कम कीमतों पर बेच पाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारी सब्सिडी बाजार की कीमतों को विकृत करती है और अनुचित प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है। तीसरे, व्यापार तनाव भी वैकल्पिक बाजारों पर किसी तरह नियंत्रण करने के चीनी खेल का हिस्सा है। चीनी डंपिंग को लेकर आशंकाएं बेवजह नहीं हैं।

अतीत में, ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जब चीन ने भारत समेत विदेशी बाजारों में डंपिंग की अनैतिक प्रथा अपनाई। अतीत में, हमारा एपीआई उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकॉम उद्योग, कपड़ा और परिधान उद्योग, खिलौना उद्योग और कई अन्य उद्योग चीनी डंपिंग का शिकार रहे हैं।

इन उद्योगों की कई विनिर्माण इकाइयां चीनी डंपिंग के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गईं। और सरकार के ठोस प्रयासों के बावजूद ये उद्योग चीन से अनुचित प्रतिस्पर्धा की छाया से बाहर नहीं आ पाए। हालांकि भारत सरकार का दावा है कि वह वैश्विक बाजारों में उभरती स्थितियों पर कड़ी नजर रख रही है, लेकिन उद्योग चीन द्वारा संभावित डंपिंग प्रयासों से सभी चिंतित हैं। यह उल्लेखनीय है कि अमेरिका लंबे समय से चीनी आयात पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में चीन को अपने निर्यात को अन्य तरीकों से बदलने का कोई मौका न देने के उद्देश्य से ठोस प्रयास किए गए हैं, ताकि ट्रंप के टैरिफ से बचा जा सके।

इस संदर्भ में अमेरिकी सीनेट ने दो विधेयक पेश किए हैं, नीदर परमानेंट नॉर नार्मल ट्रेड रिलेशंस अधिनियम (पीएनटीआर अधिनियम) और एक्सिंग नॉन मार्केट टैरिफ इवेजन एक्ट (एएनटीई अधिनियम)। पहला पीएनटीआर चीन से आयात पर केंद्रित है और दूसरा एएनटीई अन्य देशों में माल का उत्पादन करने वाली चीनी फर्मों को लक्षित करता है।

जबकि, पीएनटीआर अधिनियम चीन से सीधे आने वाले माल को प्रतिबंधित करेगा और एएनटीई अधिनियम वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में चीनी स्वामित्व वाली फैक्ट्रियों से आने वाले माल को प्रतिबंधित करेगा।

इसलिए नए कानूनों के माध्यम से अमेरिका उन सभी संभावित माध्यमों को बंद करने की कोशिश कर रहा है जिनके माध्यम से चीन अमेरिका में अपने उत्पादों को बेचने की कोशिश कर सकता है। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां भारत ने डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत उपलब्ध कई व्यापार उपायों का उपयोग किया है, जिसमें एंटी-डंपिंग शुल्क और सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

भारत द्वारा लगाए गए अधिकांश एंटी-डंपिंग शुल्क चीन पर थे। भारत द्वारा चीनी डंपिंग को रोकने के लिए विभिन्न तरीकों के बावजूद, चीनी आयात पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 में, अप्रैल से फरवरी के बीच के पहले 10 महीनों में, चीन से भारत का आयात एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 10.4 प्रतिशत बढक़र 103.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। दूसरी ओर, चीन को निर्यात 15.7 प्रतिशत घटकर 12.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।

इससे जाहिर तौर पर चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ गया है। यह डीजीटीआर की सिफारिश पर भारत द्वारा अपनाए गए एंटी-डंपिंग उपायों की लंबी सूची के बावजूद है। चीनी डंपिंग को रोकने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। लंबे समय से चीन से आयात भारत की विनिर्माण यात्रा को प्रभावित कर रहा है और विनिर्माण, जो 1990-91 में सकल घरेलू उत्पाद का 19.6 प्रतिशत प्रदान करता था, 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद में 14.27 प्रतिशत का योगदान देगा। यह भारत की विकास आकांक्षाओं के लिए खतरे की घंटी है।

अब जब भारत दुनिया के लिए विनिर्माण केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है, तो वह चीन से डंपिंग के किसी भी नए दौर को बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि यह उसके आत्मनिर्भर भारत के सपने को खतरे में डाल सकता है। हमें चीन को भारतीय बाजारों में अपने माल की डंपिंग के अनैतिक और अवैध तरीकों का उपयोग करने से रोकने के लिए अपनी प्रशासनिक मशीनरी को सुव्यवस्थित करना होगा।

सदबुद्धि देना भगवान, संभावित युद्ध पर लगे विराम

विनोद कुमार सिंह

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक बार फिर से आतंकियों का क्रूर व काला चेहरा सबके सामने आया है। इसके पीछे कुछ सिर फिरे आतंकियों का हाथ था, जिन्होनें क्रूरता के साथ निर्दोष 26 लोगों की ह्दय विदारक हत्या कर दी थी।

जिससे एक वार आतंकी हमले ने साल 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले की याद दिला दी है। दोनों आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आतंक के आकाओं को ना केवल चेताया बल्कि उनके खिलाफ कोठर कार्रवाई भी की। आप को याद होगा कि पुलवामा हमले में 44 सी आर पी एफ जवान शहीद हो गए थे।

विगत दिनों जम्मु-कशमीर पुलवामा में हुए आतंकी हमले से भारत-पाक के मध्य युद्ध के काले बादल गहराने लगे, विकाश नही विनाश का विगुल बजने के अंदेशा लगने लगा है। ऐसे देश के चौथे खम्मा कहे जाने वाले मीडिया जिसकी भुमिका पर सन 2014 से लगातार ही शंका सवाल उठता रहता है। जिससे भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी तंत्र पर सवाल उठाए जाते है। आज आप अपने घर कार्यालय व मो० पर जिस नजर डाले-भारत पाक के मध्य में कभी भी युद्ध होने का माहौल को बढ़ा चढ़ा दर्शकों को दिखाया जा रहा है।

अधिकत्तर टी वी चैनलों खास खबररिया चैनल के युद्धवीर उद्घोषक दोनों देश शैन्य शक्ति, सैन्य शक्ति पर वाक्य युद्ध करते हुए नजर आ रहे है। भारत पाक सर्वविदित रहे कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी थी, इसके बाद पीएम मोदी ने कहा था कि इस आतंकी घटना के पीछे जो ताकत है उसे जरूर सजा दी जाएगी।

उन्होंने कहा था कि इस समय जो देश की अपेक्षाएं हैं, कुछ कर गुजरने की भावनाएं हैं, वो स्वाभाविक हैं। हमारे सुरक्षा बलों को पूर्ण स्वतंत्रता दी हुई है। हमें अपने सैनिकों के शौर्य पर पूरा भरोसा है। आये दिनों एल ओ सी के पास पूरी रात गरज रहे है। फाइटर जेट्स पाकिश्तान में दशहत का माहौल है। पहलगाम के आतंक वादी हमले के बाद केन्द्र की मोदी सरकार के 5 बड़े फैसले लिए है। जिसमें भारत पाक के मध्य हुए सिंधु जल संधि, अटारी, सार्क बीजा सब बंद! मोदी द्वारा अपील की गई है कि सभी लोग सही जानकारियाँ हमारी एजेंसियों तक पहुंचाएंगे, ताकि आतंक को कुचलने में हमारी लड़ाई और तेज हो सके। इस मौके पर सभी राजनीतिक छींटाकशी से दूर रहें। इस हमले का देश एकजुट होकर मुकाबला कर रहा है। देश का एक ही स्वर है और यही पूरे विश्व में सुनाई देना चाहिए, क्योंकि लड़ाई हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।

सिंधु जल संधि के तहत भारत द्वारा पाकिश्तान को दिए जाने वाले पानी की आपूर्ति को रोकने की भी बात की गई थी, हालांकि बाद में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। भारत ने नियंत्रण रेखा पर अपनी सैन्य उपस्थिति और निगरानी बढ़ा दी है। जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिए गए है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी ने अपने भाषण में आतंकवाद के खिलाफ खुली जंग का ऐलान किया। हमले के दुसरे दिन बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकियों और आतंक की साजिश रचने वाले पाकिश्तान को सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा 'हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने भी यह हमला किया, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को, उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिश्तान पर कई तरह की कार्रवाइयां की हैं। ये कार्रवाइयाँ राजनयिक, आर्थिक और कुछ हद तक सैन्य हैं। भारत ने पाकिश्तान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया है। नई दिल्ली स्थित पाकिश्तानी उच्चायोग में तैनात सैन्य सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित कर दिया गया है तथा उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी समकक्ष सैन्य सलाहकारों को वापस बुला लिया गया है।

दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 करने का निर्णय लिया गया है। भारत ने पाकिश्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। पहले जारी किए गए सभी SVES वीजा भी रद्द माने जाएंगे और इस वीजा पर भारत में मौजूद पाकिश्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है।

भारत ने पाकिश्तानी नागरिकों के लिए सभी प्रकार की वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भारत ने अटारी स्थित एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। इससे दोनों देशों के बीच आवाजाही रुक गई है। इसके साथ ही भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि पर पाकिश्तान के साथ अपने सहयोग को निलंबित कर दिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक पाकिश्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं कर देता। अटारी सीमा चौकी को बंद करने और सीमा शुल्क में पहले से की गई वृद्धि के कारण द्विपक्षीय व्यापार पहले से ही काफी हद तक प्रभावित है। वहीं भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर अपनी निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रीनगर का दौरा कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की है और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। कुछ आतंक वादियों के घरों को भी ध्वश्त किया गया है। आप को बता दे कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए विगत बुधवार की सुबह सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति और कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति की आपात बैठक बुलाई गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस उच्चश्तरीय बैठक में देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई और पाकिश्तान को जवाब देने के संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। आप को याद होगा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। सोमवार को हुए इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की बेरहमी से हत्या के बाद पूरे देश में गुस्सा है और पाकिश्तान पर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक का उद्देश्य पहलगाम हमले के बाद की सुरक्षा स्थिति का मूल्यांकन करना और आगे की रणनीति तय करना था।

सीमा पर सेना को अलर्ट पर रखा गया है और आतंकी संगठनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं। भारतीय सेना की ओर से स्पष्ट किया गया है कि पाकिश्तान की हर नापाक हरकत को सख्ती से जवाब दिया जाएगा। सैन्य सूत्रों के अनुसार, सेना ने न सिर्फ जवाबी कार्रवाई की बल्कि पाकिश्तानी पोस्ट्स को सटीक निशाना भी बनाया।

इस तरह की लगातार हो रही गोलीबारी से नियंत्रण रेखा पर तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। पीएम मोदी ने सेना को उचित कार्रवाई का आदेश दिया है। वही लगातार पाकिश्तान की ओर से लगातार सिस फायर का उल्लंगन किया जा रहा है।

वही भारतीय सेना अपने सैन्य अधिकारियों व सैन्य हथियारों के द्वारा पुर्वाभास करनें लगे-कुछ मिलाकर भारत-पाकिश्तान के मध्य युद्ध के मड़राते हुए काले बादल देख कर विश्व के कई देशों के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दोनो के मध्य मध्यता करने के तैयार है। इतिहास इस बात का साक्षी है, जब-जब दो देशों के मध्य युद्ध होता है तो दोनों देशो में भारी जान मान की हानि होती है। विकाश गति ही नहीं रुकती है बल्कि कई मयाने में देश दशकों पीछे पहुँच जाता है।

ऐसे हम आज यही कहने को मजबुर है कि-इन्हें सद्बुद्धि देना भगवान, संभावित युद्ध पर लगे विराम भारत-पाक के मध्य युद्ध के गहराते संकट के उमड़ते-घुमड़ते बादल जो विकाश की ब्यार नही बल्कि विनाश व विध्वंस का विगुल बजाने को आतुर लग रहा है। जो देशों की मासुम व भोली भाली जनता कभी नही चाहेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है)

ये कैसा ट्रोल, जिसका नहीं है कोई मोल?

सुनील कुमार महला

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले में (22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में) अपने पति, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को खोने वाली हिमांशी नरवाल को हाल ही में ट्रोल्स ने निशाना बनाया। दरअसल, वह लगातार शांति की अपील कर रही थी और उन्होंने पत्रकारों के सामने यह बात कही थी कि-'हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं, जिन्होंने ग़लत किया है उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए। '

यह बहुत ही अफसोसजनक है कि हिमांशी को ट्रोलर्स ने बुरी तरह से निशाना बनाया। कितनी बड़ी बात है कि मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ नफरत न फैलाने की अपील करने वाली हिमांशी नरवाल को ट्रोलर्स द्वारा निशाना बनाया गया और उन पर अभद्र टिप्पणियां की गईं, यहां तक कि उन्हें हिंसा की धमकियां भी दी गईं।

हिमांशी नरवाल ही नहीं, एक बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोगों की मर्यादाहीन भाषा पर एतराज जताने वाली शैला नेगी को भी अभद्र टिप्पणियों और धमकियों का सामना करना पड़ा। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि नैनीताल में मचे बवाल(मुस्लिमों को गाली दे रहे प्रदर्शनकारियों से भिड़ने पर) के बीच एक स्थानीय महिला शैला नेगी का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसमें शैला नेगी प्रदर्शनकारियों से सीधे भिड़ती हुई नजर आतीं हैं, वीडियो के वायरल होने के बाद शैला नेगी को रेप तक की धमकी दी गई। बहरहाल, इससे बड़ी बात भला और क्या हो सकती है कि सोशल मीडिया आज धमकियों का प्लेटफार्म बन चुका है।

वाश्तव में, सोशल मीडिया पर आज किसी को भी ट्रोल करना, किसी व्यक्ति विशेष पर ऊल-जलूल और अभद्र टिप्पणियां करना, धमकियां देना, जो भी मन में आए वह कंटेंट डाल देना जैसी बातें आम हो चली हैं। यह बहुत ही शर्मनाक व अफसोसनाक बात है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में हम पाश्चात्य संस्कृति में जीने लगे हैं और भारतीय संस्कृति और इसके नैतिक मूल्यों, आदर्शों और प्रतिमानों को लगातार भूलते चले जा रहे हैं।

सच तो यह है कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ ही आज हमारे समाज से नैतिक मूल्यों में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। आज सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से लोगों में सहानुभूति की कमी, साइबर बुलिंग (बिना किसी डर के दूसरों को निशाना बनाना) और व्यक्तिगत जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। लोग अब अपनी निजता का सम्मान नहीं करते हैं और दूसरों की भावनाओं की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते हैं कि वे एक सार्वजनिक स्टेज(मंच) पर क्या कह रहे हैं और वाश्तव में उन्हें क्या कहना चाहिए और क्या नहीं कहना चाहिए तथा इसका समाज और देश पर क्या और किस कदर प्रभाव पड़ सकता है?

वाश्तव में होना तो यह चाहिए कि सोशल मीडिया पर हम दूसरों के प्रति सम्मान और सहानुभूति दिखाएं, और उनके विचारों का सम्मान करें। सोशल मीडिया पर ग़लत सूचनाओं, जानकारी को शेयर ना करें और सोशल मीडिया पर अपने समय को सीमित करते हुए हम व्यक्तिगत जीवन को प्राथमिकता दें। हम जानते

हैं कि आज के समय में सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली उपकरण है जो हमारे जीवन में, समाज और देश में कई सकारात्मक बदलाव ला सकता है, लेकिन हमें इसका उपयोग सावधानीपूर्वक और नैतिक रूप से करना चाहिए, ताकि हमारे नैतिक मूल्यों में गिरावट न आए और दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। आज सोशल मीडिया पर सच्चाई और ईमानदारी की कमी सी हो गई है।

हमारी यह आदत सी हो गई है कि आज हम सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी निजी जानकारी साझा करते हैं, जो हमारी निजता का उल्लंघन कर सकती है। यह नैतिक मूल्यों के विघटन का एक उदाहरण है, क्योंकि निजता किसी भी समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

आज सोशल मीडिया पर अक्सर हिंसा और अभद्र भाषा का प्रसार होता है, जो हमारे समाज व देश के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है। सोशल मीडिया मंच पर हमें अपने विचारों को और मान्यताओं को दूसरों पर थोंपने का कोई अधिकार नहीं है, क्यों कि सामाजिक समानता समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

आज हम अपने स्वार्थों को भुनाने के लिए सोशल मीडिया पर नैतिक मूल्यों को, हमारे आदर्शों को, हमारी सनातन संस्कृति को लगातार त्याग रहें हैं, जो ठीक नहीं है। आज ट्रोलर्स सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर ऐसा बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती।

हिमांशी नरवाल और शैला नेगी इसी ट्रेंड का शिकार हुई। होना तो यह चाहिए था कि इन दोनों का(हिमांशी नरवाल और शैला नेगी का) हमारा समाज साथ देता, लेकिन हुआ बिल्कुल इसके उलट। हमारे देश के संविधान ने सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान, अनुच्छेद 19 के तहत, प्रत्येक नागरिक को वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है।

यह अधिकार भाषण, लेखन, मुद्रण, दृश्य प्रतिनिधित्व या किसी अन्य माध्यम से अपने विचारों, राय और विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता का हकदार है, लेकिन इस आजादी का एक निश्चित दायरा है, एक सीमा है। वाश्तव में हमारी अभिव्यक्ति किसी दूसरे की स्वतंत्रता और गरिमा पर चोट करने वाली बिलकुल भी नहीं होनी चाहिए। आज सोशल मीडिया पर कोई भी कंटेंट डाला जाता है, बिना किसी डर और भय के।

दरअसल, सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करते हुए कई लोग इस बात को भूल जाते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक निश्चित दायरा है, एक सीमा है, गरिमा है। वाश्तव में ट्रोलर्स को अपनी बात रखने, अपनी अभिव्यक्ति देने की अपनी आजादी तो नजर आती है, लेकिन इस अभिव्यक्ति के दौरान उन्हें सामने वाले के अधिकार और उसकी गरिमा, नैतिकता आदि का ध्यान नहीं रहता।

यह बात ठीक है कि किसी व्यक्ति विशेष की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन, सभ्य व नैतिकता को ध्यान में रखने वाला होना चाहिए। वाश्तव में सोशल मीडिया पर कंटेंट जानकारी परक, अच्छा, प्रासंगिक, विशिष्ट, मर्यादित होना चाहिए।

कहना ग़लत नहीं होगा कि सोशल मीडिया पर अमर्यादित और अभद्र भाषा का इश्तेमाल तो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। हमें यह याद रखना चाहिए कि सोशल मीडिया का दायरा बहुत ही व्यापक है और जब हम कोई बात ऐसे मंच पर कहते हैं तो यह बहुत दूर तक फैलती है, जाती है, क्यों कि इसकी पहुंच समश्त विश्व में है।

इसलिए सोशल मीडिया इश्तेमाल करते समय हर किसी को इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर हमेशा सतर्क व पूर्ण जागरूक रहना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हिमांशी नरवाल और शैला नेगी को सोशल मीडिया पर सपोर्ट करने वाले लोग नहीं हैं लेकिन दुखद बात यह है कि ग़लत चीजों को सपोर्ट करने वाले लोग आज कहीं अधिक नजर आते हैं।

आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के सही उपयोग, प्रयोग पर गाइडलाइंस बनाईं जाएं और सख़्ती की जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी सामग्री पर निगरानी रखने और गलत सूचना को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। साथ ही साथ, आम आदमी को भी यह चाहिए कि वे सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को समझें।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक की आमने-सामने से हुई टक्कर, तीन लोग घायल; मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर जिले के पटेहरा- संतनगर थाना क्षेत्र के घोरी पनियारा गांव के पास सिरसी दीपनगर संपर्क मार्ग पर मंगलवार सुबह दो बाइक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। प्रयागराज जनपद के फूलपुर थाना निवासी आजाद (36) अपनी बाइक से सिरसी की तरफ जा रहा था। उधर सामने से संतनगर थाना क्षेत्र के घोघीया गांव निवासी अमरेश कुमार (20) अपने साथी अशोक चौहान (26) के साथ किसी काम से दीपनगर आ रहा था।

पनियरा गांव के पास दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों घायलों को इलाज हेतु पटेहरा पीएससी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टर वाजिद जमीन ने तीनों को मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

मऊ में मौसम का कहर: आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत,

मऊ , एजेंसी। मऊ जिले में मौसम के कहर से दो लोगों की जान चली गई। देर रात में आंधी- बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत हो गई। हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा ठैचा ग्राम पंचायत के रेता पुरवा में दंपती तरबूज की खेती की निगरानी के लिए खेत में सो रहे थे।

जानकारी के अनुसार ठैचा के निवासी कांता राजभर (55) ने तरबूज की फसल उगाई है। हर दिन की तरह रात में वह अपने खेत पर अपनी पत्नी वालकेसिया देवी (53) के साथ निगरानी के लिए सोने गए थे। रात में सोते समय बिजली मड़ई पर गिरी। जिससे पति-पत्नी दोनों की झुलसकर मौत हो गई। मंगलवार की सुबह दंपति के घर न आने पर परिजन उन्हें बुलाने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। इससे पहले सोमवार की शाम पांच बजे सेहबरपुर निवासी लालचंद राजभर की बिजली चपेट में आने से मौत हो गई थी।

2 दिन से हाइवे पर ही खड़ी दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर से भीड़ी दूसरी ट्रेलर, चालक की मौत

गोरखपुर , एजेंसी। गगहा थाना क्षेत्र के गोरखपुर वाराणसी हाईवे पर कुसमौरा बुजुर्ग के पास मंगलवार सुबह चार बजे पहले से घटनाग्रस्त खड़ी ट्रेलर में पीछे से एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाइवे पर चीख-पुकार मच गई। इस घटना में ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

बता दें की गगहा थाना क्षेत्र के कुसमौरा बुजुर्ग के पास रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर पौधों को पानी डाल रहे पानी टैंकर को ट्रेलर गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में चालक राम दवन यादव (57) निवासी ओडवालिया गांव सहजनवा की मौत हो गई थी। 2 दिन से हाईवे पर डिवाइडर के पास ही यह दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर खड़ी थी। इस ट्रेलर पर सरीये लदे हुए थे। मंगलवार सुबह 4:00 बजे इसी दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर में बड़हलगंज से गोरखपुर की तरफ जा रही एक दूसरी ट्रेलर जा भीड़ी जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर के परखच्चे उड़ गए। आगे खड़ी ट्रेलर के सरीये पिछे वाली ट्रेलर में फंस गए। ट्रेलर चालक की पहचान विनोद यादव (40) निवासी ग्राम महुली जिला आजमगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हाइवे पर रविवार से ही दुर्घटनाग्रस्त खड़े ट्रेलर को समय रहते राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पेट्रोलिंगकर्मी तथा रूट इंचार्ज हटा देते तो हादसा टल सकता था। एनएचएआई की हाईवे पेट्रोलिंग टीम द्वारा दूर्घटनाग्रस्त खड़े ट्रेलर के पीछे ना तो सेफ्टी लगाई गई और ना ही ट्रेलर को सड़क से हटाकर दूर खड़ा किया गया।

उड़ान भरते ही आई तकनीकी खराबी, इस एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

गोरखपुर , एजेंसी। मुंबई एयरपोर्ट से सोमवार दोपहर तीन बजे गोरखपुर आने के लिए इंडिगो की फ्लाइट 190 यात्रियों को लेकर उड़ान भरी। अचानक तकनीकी खराबी आने पर मुंबई एयरपोर्ट पर ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। वहीं, इस सूचना पर यात्रियों की सांसें अटक गई थीं।

पायलट की सूझ-बूझ से लैंडिंग के बाद यात्रियों ने फ्लाइट से बाहर आकर राहत की सांस ली। इसकी वजह से गोरखपुर एयरपोर्ट पर देर रात तक 120 यात्री इंतजार करते रहे। गोरखपुर एयरपोर्ट प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि इंडिगो की फ्लाइट प्रतिदिन दोपहर तीन बजे मुंबई से उड़ान भरकर गोरखपुर एयरपोर्ट पर शाम 5:20 बजे पहुंचती है।

फ्लाइट के विलंब होने पर एयरपोर्ट पर 190 यात्री मुंबई जाने के लिए टर्मिनल में बैठकर इंतजार करते रहे। अधिक विलंब होने पर 70 यात्रियों ने अपना टिकट अगली तारीखों के लिए शेड्यूल करा लिया। वहीं, 120 यात्रियों ने देर रात तक फ्लाइट का इंतजार किया।

रात करीब 11:30 बजे फ्लाइट एयरपोर्ट पर पहुंची। इसके बाद तय समय से छह घंटे विलंब से 11:55 बजे मुंबई के लिए यात्री रवाना हुए। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए इंडिगो एयरलाइंस कंपनी ने नाश्ते से लगाए खाने तक की व्यवस्था करा दी थी।

कंपनी ने भेजी दूसरी फ्लाइट

एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से काफी देर तक उसे ठीक करने का प्रयास कंपनी के इंजीनियरों ने किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद कंपनी ने रात करीब नौ बजे दूसरी फ्लाइट से 190 यात्रियों को गोरखपुर भेजा गया।

एयरपोर्ट के बाहर इंतजार करते रहे लोग

मुंबई से लगाए गोरखपुर दोनों ही एयरपोर्ट पर यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। जिनके साथ बच्चे थे उन्हें काफी मशक्कत झेलनी पड़ी। वहीं मुंबई से आ रहे यात्रियों को रिसीव करने जिले व महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया से परिजन शाम पांच बजे ही एयरपोर्ट के बाहर आ गए थे।

उन्हें बाहर खड़े होकर करीब सात घंटे तक इंतजार करना पड़ा। एयरपोर्ट पर बाहर उनके लिए कहीं कोई बैठने का भी इंतजाम नहीं है। परिजनों का कहना था कि आए दिन फ्लाइट विलंब से आ रही है। बाहर रिसीव करने आने वालों के लिए भी कुछ इंतजाम होना चाहिए।

खत्म हुआ सुहावने मौसम का दौर, प्रदेश में यू-टर्न लेगा मौसम

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में बादलों की आवाजाही और गरज चमक के साथ रुक-रुक कर बूंदाबांदी का दौर जारी है। सोमवार को तराई वाले जिलों और बुंदेलखंड इलाकों में तेज हवा के साथ ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने मंगलवार को संत कबीरनगर, बस्ती, गोंडा आदि जिलों में ओलावृष्टि की आशंका जताई है।गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर में बिजली गिरने और 60 किमी प्रति घंटे तक की झोंकेदार हवाएं चलने और बूंदाबांदी के आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 6 मई तक प्रदेश में मौसमी उथल-पुथल के बाद परिस्थितियां बदलेंगी। मंगलवार के बाद सिस्टम कमजोर पड़ेगा। इससे आने वाले दिनों में गर्म हवाएं और तपिश फिर बढ़ने का अनुमान है। मौसम में बदलाव से अवध क्षेत्र के गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या और अंबेडकरनगर जिलों में आज तेज हवा व बारिश के आसार हैं।

आज से यूटर्न ले सकता है मौसम, गर्मी का बढ़ेगा असर

राजधानी में मंगलवार के बाद गर्मी से राहत का दौर थमने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने और उसका सिस्टम कमजोर पड़ने से अब मई की तपिश वाली गर्मी अपना असर दिखाएगी। राजधानी में सोमवार को दोपहर बाद तक बादल छाए रहे। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलीं। महानगर, गोमती नगर, पुराने लखनऊ सहित शहर के कई हिस्सों में कहीं कहीं बूंदाबांदी भी देखने को मिली। दिन भर धूप-छांव का खेल चला तो उमस भरी गर्मी भी महसूस हुई। शाम को तेज हवाओं से मौसम सुहाना बना रहा।

सोमवार को दिन का तापमान 3 डिग्री की गिरावट के साथ 34.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस कम रहा। रात का पारा 1.1 डिग्री सेल्सियस की बढ़त के साथ 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ जो सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 6 मई के बाद राजधानी में मौसमी परिस्थितियां बदलेंगी। मंगलवार से सिस्टम कमजोर पड़ेगा, गर्म हवाएं और तपिश दोबारा सिर उठाएगी।

घनी आबादी में बनी हैं 240 अवैध इमारतें, चल रहीं जानलेवा फैक्टरियां

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में रिहायशी इलाकों में नियमों को ताक पर रखकर करीब 240 अवैध भवन खड़े कर दिए गए हैं। इनमें न तो दमकल उपकरण हैं और न ही इन्हें कोई एनओसी मिली है। करीब दो सौ तो ऐसे अपार्टमेंट हैं जिनके बेसमेंट में कारखाने और गोदाम संचालित हो रहे हैं। केडीए, दमकल विभाग के साथ ही जिम्मेदारों को इनकी खामियां नजर नहीं आती हैं।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि प्रेमनगर के आसपास चमनगंज, बेकनगंज, पटकापुर, प्लाट नंबर-तीन, भन्नापुरवा, दलेलपुरवा, इफ्तिखारबाद, नई सड़क आदि क्षेत्रों में कई अपार्टमेंट तान दिए गए हैं। यह पूरी तरह से अवैध हैं।

आपातकालीन स्थिति में इन इमारतों में मदद पहुंचाने में कठिनाई होती है। कारोबारी दानिश के अपार्टमेंट के ठीक पीछे पांच फीट की संकरी गली में कई अपार्टमेंट हैं जो छह मंजिल तक के हैं। आपातकालीन स्थिति में इन संकरी गलियों में दमकल की गाड़ियां जा पाना संभव ही नहीं है। यह तो सिर्फ बानगी है। इलाके में ऐसी कई इमारतें हैं, जिनमें जूते, चप्पल, नमकीन के कारखाने और गोदाम भी संचालित हैं।

सीसामऊ उपचुनाव से पूर्व केडीए ने अभियान चलाया था। इस दौरान चमनगंज व अन्य इलाकों में ऐसी 12 इमारतें सीज की गई थी, जिनके बेसमेंट में कारखाने संचालित हो रहे थे। केडीए का कहना था कि ये इमारते अवैध हैं। उसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

शहर में 1700 कारखाना ही पंजीकृत– औद्योगिक और ट्रेडिंग वाले शहर में केवल 1700 कारखाना ही कारखाना अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं। जबकि, शहर का ऐसा कोई हिस्सा नहीं होगा, जहां रिहायशी इलाकों में बिना पंजीकरण के ऐसे कारखाने संचालित न होते हों। हालांकि बिना प्रशासन की अनुमति के निरीक्षण भी नहीं किया जा सकता है। प्रेमनगर में हुए हादसे की जानकारी के लिए कारखाना निदेशक की टीम मौके पर गई थी। हालांकि, उन्हें कोई जानकारी नहीं मिल सकी। ऐसे कारखाना जहां 20 या इससे अधिक कर्मचारी काम करते हैं, उनको कारखाना अधिनियम में पंजीकरण कराना होता है। बाद में स्वतः नवीनीकरण होता रहता है।

नेपाल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सशक्त बनाने पर मंथन

यूपी चैप्टर ने प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

लखनऊ, एजेंसी। नेपाल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को सशक्त बनाया जाएगा। सोमवार को नेपाल से आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पीएचडी हाउस में पीएचडीसीसीआई, यूपी चैप्टर के साथ संवाद सत्र हुआ। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करना और कृषि, आतिथ्य, हर्बल तथा लकड़ी-आधारित उद्योगों में सीमा पार निवेश के अवसरों को तलाशना था। प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल में विदेश निवेश की अपार संभावनाओं पर मंथन किया। उन्होंने भारतीय उद्यमियों को संयुक्त उद्यमों और व्यापार साझेदारियों की खोज के लिए आमंत्रित किया और नेपाल सरकार की पूर्ण सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेपाल के भूमि प्रबंधन, कृषि एवं सहकारिता मंत्री बीर बहादुर थापा ने किया। उनके साथ प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं संसदीय दल के नेता घनश्याम चौधरी, प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं पूर्व मंत्री नरेश शाही और प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं पूर्व मंत्री झपट सौद और नेपाल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के उप सचिव सकेता राजा मुसिनिपल्ली भी थे।

क्षेत्रीय आर्थिक विकास में संवाद की भूमिका पर दिया गया जोर– पीएचडीसीसीआई के सदस्यों में जेएसवी मोटर्स के जतिन वर्मा, समर्थवान एग्रोकेम लिमिटेड के निदेशक लाल गुप्ता, मेघदूत ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के एमडी विमल शुक्ल ने औषधीय अनुसंधान, कृषि प्रसंस्करण, पर्यटन अवसंरचना और मूल्यवर्धित लकड़ी उत्पादों में रुचि व्यक्त की। पीएचडीसीसीआई, यूपी चैप्टर के क्षेत्रीय निदेशक अतुल श्रीवास्तव ने द्विपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करने में चैंबर की भूमिका और ऐसे संवादों की क्षेत्रीय आर्थिक विकास में भूमिका पर बल दिया।

नहीं मिली मंजूरी: सना को बॉर्डर से लौटाया, पाकिस्तान में पिता के पास रहेंगे दो बच्चे

मेरठ , एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से आए लोगों को वापस भेजने का सिलसिला जारी है। मेरठ से सटे सरधना निवासी सना को अपनी ससुराल पाकिस्तान जाने की मंजूरी नहीं मिली, लेकिन सोमवार को उसके दोनों मासूम बच्चों को पाकिस्तान में पिता बिलाल के पास भेजा गया। सना का रो-रोकर बुरा हाल है और वह गृह मंत्रालय से गुहार लगा रही है कि उसको उसके बच्चों और पति के पास भेजा जाए।

सरधना के मोहल्ला घोसियान निवासी शेरुद्दीन की बेटी सना की शादी वर्ष 2020 में पाकिस्तान के कराची में बुआ के बेटे बिलाल से हुई थी। सना ने बताया कि वह 45 दिन के वीजा पर

पाकिस्तान से अपने ढाई साल के पुत्र मुस्तफा और छह महीने के पुत्री माही के साथ 18 दिन पहले सरधना मायके में शादी के एक कार्यक्रम में आई थी।

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। जिसके बाद सरकार ने पाकिस्तान से अल्पकालीन वीजा पर भारत आए लोगों को वापस भेजने के निर्देश दिए थे। सना और उसके दोनों बच्चों को पाकिस्तान जाना तय हुआ था।

सना का वीजा भारत व उसके दोनों बच्चों का वीजा पाकिस्तान में बना था। सना ने गृह मंत्रालय से गुहार लगाई है कि उसको भी पाकिस्तान भेजा जाए।

सना के भाई सुफियान ने बताया कि पाकिस्तान में बंटवारे से पहले से ही उनके रिश्तेदार रहते हैं। करीब 50 साल पहले उसकी बुआ इद्दो का निकाह पाकिस्तान में हुआ था। इसके बाद उसकी बहन सना का निकाह पांच साल पहले बुआ के बेटे बिलाल के साथ हुआ है। बताया कि उनके कई रिश्तेदार बंटवारे से पहले पाकिस्तान में रहते हैं।

सेंट्रल मार्केट प्रकरण: कॉम्पलेक्स की 21 दुकानें ही नहीं, पूरा मार्केट ध्वस्तीकरण की जद में, घर-घर में शोरूम

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट का 661/6 अवैध कॉम्लेक्स को ध्वस्त करने के लिए आवास एवं विकास परिषद ने टेंडर जारी कर दिए हैं। विभाग की ओर से सेंट्रल मार्केट की अन्य संपत्तियों के अवैध निर्माण ध्वस्त करने के लिए भी 1.66 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया है।

ध्वस्तीकरण की पूरी प्रक्रिया के लिए दो माह का समय दिया गया है। इसमें 14 मई तक टेंडर डाले जा सकते हैं जो अगले दिन खोले जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ध्वस्तीकरण के आदेश और विभाग के टेंडर जारी करने के बाद व्यापारियों में बेचैनी और बढ़ गई है।

आवास एवं विकास परिषद की शास्त्रीनगर स्कीम संख्या 7 के तहत ही सेंट्रल मार्केट आता है। इसमें सेक्टर-2 व सेक्टर-6 का मुख्य मार्ग मुख्य रूप से सेंट्रल मार्केट माना जाता है। आवास विकास ने दिसंबर-2024 में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट रखी जिसमें कहा कि आवास विकास की इस स्कीम में 6379 स्वीकृत आवासीय संपत्तियां हैं।

इनमें से 860 संपत्ति ऐसी हैं, जिनमें व्यावसायिक प्रयोग हो रहा है। सेंट्रल मार्केट में सराफा, डेयरी, रेडीमेड गारमेंट्स, मर्चेंट स्टोर आदि हैं। कई लोगों ने क्षेत्र में निचले तल पर शोरूम बना लिए हैं और ऊपरी तल पर रिहाइश है। अफसरों से सांठगांठ करके बड़े

पैमाने पर गली-गली में भी दुकानें, शोरूम बन रहे हैं।

1473 आवासीय संपत्ति में बना दिए व्यावसायिक प्रतिष्ठान– सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मदन शर्मा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने राजेंद्र कुमार बड़जात्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए दुकानदारों को राहत नहीं दी है। 17 दिसंबर 2024 को 661/6 के ध्वस्तीकरण के आदेश न्यायाधीश जेबी पारदीवाला व आर. माधवन की खंडपीठ ने किए थे।

दुकानदारों के दुकानें खाली न करने पर ऐतराज जताया और याची को अदालत की अवमानना का भी दोषी माना है। मामले से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं भी निस्तारित करने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि केवल अवैध कॉम्पलेक्स ही नहीं पूरा सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण की जद में आ रहा है। विभाग के मुताबिक 1473 आवासीय संपत्ति में व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाए गए हैं। ऐसे में इन सभी पर ध्वस्तीकरण के बादल मंडराने लगे हैं।

कोठियों में चल रहे जिम, पार्लर, शोरूम, बैंक

शास्त्रीनगर में तेजगढ़ी से हापुड़ चुंगी मार्ग में कोठियों में जिम, पार्लर, शोरूम, आदि चल रहे हैं। ए-ब्लॉक से एल-ब्लॉक तक कुल 6106 आवासीय संपत्तियां हैं। इनमें 613 में ऐसी हैं जिनमें शोरूम, कंपनियों के आउटलेट्स, सराफा, डेयरी, रेडीमेड गारमेंट्स, मर्चेंट स्टोर, बेकरी आदि खुल गए हैं। इसी क्षेत्र में 255 स्वीकृत व्यावसायिक संपत्तियां भी हैं।

शास्त्रीनगर में सेक्टर-1 से 13 तक 6379 आवासीय संपत्ति हैं। इनमें 5409 मकान ही ऐसे हैं, जिनमें अभी आवास ही हैं। ऐसी 860 संपत्ति में व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं जबकि 230 संपत्तियां ही ऐसी हैं जो व्यावसायिक हैं। सेक्टर-2 व छह में घरों में सबसे ज्यादा दुकानें हैं। सबसे कम सेक्टर-12 में महज दो और सेक्टर-1 में 16 ही आवासीय भवन में व्यावसायिक प्रयोग हो रहे हैं।

जिला अस्पताल में व्यवस्थाएं बीमार, बहन को पीठ पर लेकर दौड़ी महिला...तब मिल सका उपचार

आगरा , एजेंसी। आगरा जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं के कितने भी दावे किए जाएं लेकिन कुछ तस्वीरें यहां की व्यवस्थाओं की पोल खोल देती हैं। सोमवार को जब एक महिला अपनी बहन के पैर में

प्लास्टर करवाने आई तो मौके पर व्हीलचेयर ना मिलने की वजह से उसने अपनी बहन को पीठ पर ही बैठा लिया और प्लास्टर कक्ष तक लेकर गई। इस दौरान ना तो किसी कर्मचारी ने उसे व्हीलचेयर दिया और ना ही कोई मदद की। जिला अस्पताल के सीएमएस का दावा है कि अस्पताल में जो भी मरीज चलने में असमर्थ होता है उसके लिए दोनों प्रवेश द्वार पर दो-दो व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। मरीजों की मदद के लिए कर्मचारी भी तैनात हैं। जगदीशपुर की लता सीढ़ियों से गिर गईं तो उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। अपनी बहन के साथ में जिला अस्पताल में इलाज के लिए आई तो प्रवेश द्वार पर उन्हें व्हीलचेयर नहीं मिली। ऐसे में लता की बहन ने उन्हें अपने पीठ पर लाद लिया और खुद ही प्लास्टिक कक्ष तक ले गई। अपनी बहन को उन्होंने डॉक्टर को दिखाया उसके बाद फिर से उन्हें कंधे का सहारा देकर अस्पताल से चली गई।

यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था

विराट कोहली ने खुश रहने के लिए कप्तानी छोड़ी

बेंगलुरु, एजेंसी। लगभग एक दशक तक भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नेतृत्व करने और उनकी बल्लेबाजी पर रखी जा रही कड़ी निगरानी के बाद विराट कोहली ने सोचा कि अब बहुत हो गया और उन्होंने जिंदगी में खुश रहने के लिए आखिर में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। कोहली ने 2021 में विश्व कप के बाद टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी। इसके एक साल बाद, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी।

कोहली ने कहा कि वह अपने करियर में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए थे जहां लगातार ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया था। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज पॉडकास्ट में कहा, 'एक समय ऐसा आया जबकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था क्योंकि मेरे करियर में काफी कुछ घटित हो रहा था। मैं सात आठ साल से भारत की कप्तानी कर रहा था। मैंने 9 साल तक आरसीबी की कप्तानी की।

मैं जो भी मैच खेलता उसमें बल्लेबाजी में मुझसे काफी उम्मीद की जाती थी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात का एहसास ही नहीं था कि मैं ध्यान केंद्रित करने के लिए संघर्ष कर रहा हूं। अगर कप्तानी में ऐसा नहीं होता तो बल्लेबाजी में ऐसा हो रहा था। मैं हर समय इसके बारे में सोचता था। यह मेरे लिए काफी मुश्किल हो गया था और आखिर में यह मुझ पर बहुत अधिक हावी हो गया था। कोहली ने 2022 में क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लिया था और उस दौरान बल्ला नहीं छुआ था। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया था जबकि वह सार्वजनिक जीवन में खुश रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस स्टार बल्लेबाज ने कहा, 'इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ दी क्योंकि मुझे लगा अगर मुझे इस खेल में बने रहना है तो उसके लिए मेरा खुश रहना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने जीवन में एक ऐसी जगह की जरूरत थी जहां मैं सहज होकर रह सकूं और अपना क्रिकेट खेल सकूं, बिना किसी आलोचना के, बिना यह देखे कि आप इस सत्र में क्या करने जा रहे हैं और आगे क्या होने वाला है।

भारत को अंडर-19 विश्व कप में खिताबी जीत दिलाने से किसी को सीनियर टीम में सहज प्रवेश की गारंटी नहीं मिलती है और कोहली ने कहा कि यह उनका दृढ़ संकल्प और तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच गैरी कर्स्टन का समर्थन था, जिसने उन्हें टीम में नंबर तीन बल्लेबाजी स्थान सुरक्षित करने में मदद की। कोहली ने कहा, 'मैं अपनी क्षमता को लेकर बहुत यथार्थवादी था क्योंकि मैंने कई अन्य लोगों को खेलते हुए देखा था। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मेरा खेल कहीं भी उनके करीब था। मेरे पास केवल दृढ़ संकल्प था।

अगर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता था, तो मैं कुछ भी करने को तैयार था। उन्होंने कहा, 'यही कारण था कि मुझे शुरुआत में भारत के लिए खेलने का मौका मिला। गैरी (कर्स्टन) और एमएस (धोनी) ने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि तीसरे नंबर पर मेरी जगह पक्की है।

कोहली ने कहा कि इन दोनों ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'इन दोनों ने मुझसे कहा आप मैदान पर जो भी करते हैं, आपकी ऊर्जा, आपकी प्रतिबद्धता, वह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। हम चाहते हैं कि आप अपना स्वाभाविक खेल खेलें। कोहली ने कहा, 'मुझे कभी पूर्ण मैच विजेता के रूप में नहीं देखा गया जो कहीं से भी खेल का रुख बदल सकता है। लेकिन मेरे पास यह बात थी कि मैं हार नहीं मानने वाला हूं। इसी बात का उन्होंने समर्थन किया।

शुभमन गिल के साथ खेलना मेरे क्रिकेट करियर के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा है : साई सुदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने माना है कि जीटी के कप्तान शुभमन गिल के साथ बीते 3 वर्ष उनके लिए खास रहे। उन्होंने ये भी कहा कि गिल के साथ खेलते हुए उनके खेल में निखार आया। आईपीएल 2025 में सुदर्शन शानदार लय में नजर आए हैं। इस सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 504 रन बनाए, उनके बल्ले से पांच अर्धशतक भी निकले। अपनी बल्लेबाजी के दम पर जीटी प्लेऑफ की रेस में काफी आगे चल रही है। सुदर्शन ने जियो हॉटस्टार के जेन बोल्ड पर कहा कि बीते तीन वर्षों में मुझे कभी भी बल्लेबाजी के दौरान कोई परेशानी हुई तो मैंने हमेशा गिल से बातचीत की। वह बहुत अच्छे कप्तान हैं और मुझे लगता है कि वह समझते हैं कि खिलाड़ी को क्या चाहिए। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो मुश्किलों का सामना कर रहे खिलाड़ियों को मौका देते हैं। हमने मैदान पर भी बहुत अच्छा वक्त बिताया। उम्मीद है कि हम इस सीजन में भी प्यारी यादें बनाएंगे। ऑरेंज कैप को लेकर उन्होंने कहा कि देखिए, यह एक प्रक्रिया है, जब आप रन बनाते हैं तो आप ऊपर की ओर जाते हैं। मैं समझता हूं मेरा ध्यान ऑरेंज कैप पर नहीं, बल्कि मेरा ध्यान अपनी टीम के लिए अहम योगदान देने पर केंद्रित है। अगर आप अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। अगर आप ऑरेंज कैप के बारे में सोचते हैं, तो मुझे लगता है कि आपकी क्षमता कम हो जाती है। आप खुद को थोड़ा और सीमित कर लेते हैं क्योंकि व्यक्तिगत प्राथमिकताएं टीम की प्राथमिकताओं से आगे आ जाती हैं। साई सुदर्शन ने कहा कि मेरे ऊपर फ्रैंचाइजी ने जिस प्रकार से भरोसा दिखाया है, मैं उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। आशीष नेहरा और सभी सहयोगी कर्मचारियों और टीम का धन्यवाद। फ्रैंचाइजी ने मुझ पर पहले साल से ही भरोसा किया। क्योंकि आप जहां भी जाते हैं, जिस भी टीम के लिए खेलते हैं, जब आपको सम्मान दिया जाता है तो वह आपकी जिम्मेदारी को बढ़ाता है।

19वें वर्ल्ड ट्विंस फेस्टिवल में भारतीय जुड़वां प्रतिभाओं ने मचाई धूम, भोपाल के ट्विंस क्लब ने बढ़ाया मान

मोजियांग/युन्नान, एजेंसी। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के प्रतिष्ठित ट्विंस क्लब भोपाल ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025, चीन में हिस्सा लेकर भारत का नाम रोशन किया। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के प्रतिष्ठित ट्विंस क्लब भोपाल ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025, चीन में हिस्सा लेकर भारत का नाम रोशन किया। 30 अप्रैल से 4 मई तक चले इस वैश्विक आयोजन में क्लब के 10 जुड़वां प्रतिभागियों ने अपने अनूठे प्रदर्शन से न सिर्फ सभी का ध्यान खींचा, बल्कि भारतीय संस्कृति की छाप भी पूरे फेस्टिवल में छोड़ दी।

भारतीय प्रतिभागियों की शानदार भागीदारी इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की ओर से शामिल हुए प्रतिभागी थे –

अभिषेक–अनुज खरे,
ओनी–ओनस मल्होत्रा,
ऋद्धि–सिद्धि सातपुते,
मंजरी–मयूरी अरोरा,
नित्य–निश्चय खडोदे।

इन सभी ने भारतीय परंपराओं, वेशभूषा, नृत्य और संवाद के जरिए विश्व समुदाय के समक्ष भारतीयता की गौरवगाथा प्रस्तुत की।

ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर – संस्कृति सेतु बने जुड़वां

इस वर्ष के फेस्टिवल की थीम ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर पर आधारित थी। कार्यक्रम में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया, नाइजीरिया, घाना, युगांडा, नेपाल, श्रीलंका सहित 20 देशों के 200 से अधिक विदेशी जुड़वां प्रतिभागी और चीन के 500 ट्विंस शामिल हुए।

रोहित का इस्तेमाल इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर क्यों हो रहा, मुख्य कोच जयवर्धने ने खोला राज

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा को 'इम्पैक्ट सब्स्टिट्यूट के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला पहले से तय नहीं था और ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत महसूस हुई जो गेंदबाजी के साथ क्षेत्ररक्षण में बेहतरीन हो।

जयवर्धने ने बताया कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विजयी अभियान के दौरान मामूली रूप से चोटिल हुए थे और टीम उनकी चोट को बढ़ने नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा, 'ऐसा सत्र की शुरुआत में नहीं था। जाहिर है रो (रोहित) कुछ मैचों के दौरान मैदान पर उतरे थे। श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'आप अगर टीम की संरचना को देखें, तो अधिकांश खिलाड़ी दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। उनमें से कुछ ऐसे गेंदबाज है जिसकी जरूरत बाउंड्री के पास क्षेत्ररक्षण के लिए होती है। आपको क्षेत्ररक्षण के लिए

भी तेज दौड़ने वाले खिलाड़ियों की जरूरत होती है। रोहित चैंपियंस ट्रॉफी से मामूली तौर पर चोटिल थे, इसलिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम उन पर ज्यादा दबाव न डालें। हम ऐसा करने में कामयाब रहे। हमारे लिए उनकी बल्लेबाजी सबसे महत्वपूर्ण चीज है। जयवर्धने ने कहा कि रोहित ने मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह टीम के लिए 'अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा, 'आपने देखा होगा कि वह हमेशा डगआउट में मौजूद रहते हैं। वह टाइम आउट के दौरान मैदान में जाकर खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं।

वह टीम में काफी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। जयवर्धने ने स्वीकार किया कि रोहित और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी के रूप में सफलता से टीम को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, 'सलामी जोड़ी किसी भी टीम की पारी को स्थापित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारे पास जिस तरह की बल्लेबाजी लाइनअप है उस में हम अच्छी शुरुआत मिलने पर शानदार तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'रोहित ने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा बड़ी पारियां नहीं खेली है लेकिन वह टीम को तेज शुरुआत दिलाकर प्रभावी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल ने जीते 33 मेडल

शिमला, एजेंसी। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। स्कूलों की 68वीं राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। इन खेलों में हिमाचल के छात्र खिलाड़ियों ने अंडर-17 और अंडर-19 की हुई प्रतियोगिताओं में 33 मेडल जीते। इनमें तीन स्वर्ण पदक और छह रजत और 24 कांस्य पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते।

दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। अंडर-19 में ध्रुव ने 91+ किलोग्राम में रजत पदक, वरुण वर्मा 56 किलोग्राम में रजत, साहिल कुमार ने 46 किलोग्राम में तुषार ने 60 किलोग्राम में, लड़कियों में विभूति नेगी 57 किलोग्राम और सानिया राणा 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। स्कूलों की 68वीं राष्ट्रीय खेलों में हिमाचल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार

रहा। इन खेलों में हिमाचल के छात्र खिलाड़ियों ने अंडर-17 और अंडर-19 की हुई प्रतियोगिताओं में 33 मेडल जीते। इनमें तीन स्वर्ण पदक और छह रजत और 24 कांस्य पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेलों के बॉक्सिंग के दिल्ली में हुई। इसमें हिमाचल के अंडर-19 वर्ग में बॉक्सरों ने 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। दिल्ली में बॉक्सिंग के मुकाबले हुए। अंडर-19 में ध्रुव ने 91+ किलोग्राम में रजत पदक, वरुण वर्मा 56 किलोग्राम में रजत, साहिल कुमार ने 46 किलोग्राम में तुषार ने 60 किलोग्राम में, लड़कियों में विभूति नेगी 57 किलोग्राम और सानिया राणा 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। पदक जीतने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और स्कूली क्रीड़ा संगठन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

इन खिलाड़ियों ने जीते मेडल

स्कूली नेशनल में पदक विजेता खिलाड़ियों में कुश्ती में सोलन के लोधीमाजरा स्कूल की प्रेमा मेहता, पंजेहरा की हर्षिता, लोधी माजरा के यादविंद्र, हमीरपुर ब्लू स्टार के रजत कुमार, रिसा मंडी के रोहित राव, सुंदरनगर मंडी जीबीएसएएसएस की श्रेया वीर यादव, कावेरी स्कूल धनोटू मंडी के शोर्यवीर चौधरी, ताइक्वांडो में डीएवी दरकोटी हमीरपुर की सृष्टि ठाकुर, बॉक्सिंग में किन्नौर के कल्पा स्कूल के हर्षित कुमार, ब्लू स्टार हमीरपुर के निखिल कुमार, जिला कांगड़ा की सुजल, मंडी के राजगढ़ स्कूल की मोनिका शर्मा, सांजी मंडी के ध्रुव, ऊना के पीएसएसएस पक्का परोह के वरुण शर्मा, बॉयज स्कूल बिलासपुर के साहिल, बॉयज स्कूल सुंदरनगर के तुषार, उर्नी स्कूल किन्नौर की विभूति नेगी, शिमला के गर्ल्स स्कूल पोर्टमोर की सानिया राणा ने मेडल जीता है। जूडो में ब्लू स्टार स्कूल हमीरपुर की कृतिका, हमीरपुर के कुठेड़ा स्कूल की अंकिता ठाकुर ने मेडल जीता।

कराश में गर्ल्स स्कूल सोलन की दीपांशी धूली, देवठी सोलन के गौरव शर्मा, चंबा के कुशनगरी स्कूल के आदित्य ठाकुर, शिमला के देहा स्कूल के अर्व हिमटा, कुल्लू के साई स्टार स्कूल के आर्यन, सोलन धर्मपुर की तानिया सेनी, हमीरपुर के कांगू स्कूल के अक्षित ठाकुर, सोलन के देवठी स्कूल की याशिका, डीएवी एसएसएस ऊना के सार्थक मंडी के धवाल स्कूल के सिद्धार्थ ठाकुर ने मेडल जीता। आर्टिस्टिक योगा के नेशनल में सुपर मेगनेट पीएस हमीरपुर की निधि डोगरा ने मेडल जीता है। टीम इवेंट में हिमाचल ने हॉकी अंडर -17 गर्ल्स और हैंडबाल अंडर-19 गर्ल्स में मेडल जीत का प्रदेश का मान बढ़ाया है।

GT के निदेशक बोले- सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया

रबादा आईपीएल में वापसी के लिए तैयार

मुंबई, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के कागिसो रबादा एक महीने के निलंबन के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी के लिए तैयार हैं और फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज के मनोरंजन के लिए प्रतिबंधित दवा के उपयोग से संबंधित सभी प्रक्रियाओं का 'अक्षरशः पालन किया जा रहा है। इस साल जनवरी में एसए20 टूर्नामेंट में एमआई केपटाउन के लिए खेलते समय मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित दवा के उपयोग के लिए रबादा को एक महीने के लिए निलंबित किया गया था। उन्हें एक अप्रैल को परीक्षण में विफल होने के बारे में सूचित किया गया था और दो दिन बाद टाइटन्स ने घोषणा की कि रबादा 'व्यक्तिगत कारणों से स्वदेश लौट गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका ड्रगरहित खेल संस्थान (एसएआईडीएस) ने सोमवार को कहा कि रबादा ने 'मादक पदार्थ दुरुपयोग उपचार कार्यक्रम पूरा कर लिया है जिससे वह आईपीएल में भाग लेने के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोलंकी ने वानखेड़े स्टेडियम में टाइटन्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा, 'जहां तक कल के मैच का सवाल है, तथ्य यह है कि पिछले एक महीने में लिए गए सभी निर्णयों और जो कुछ भी हुआ है उसे देखते हुए, वह अब उपलब्ध है।

उन्होंने कहा, 'कागिसो ने फैसले में त्रुटि पर खेद व्यक्त किया है लेकिन वह अपने पसंदीदा खेल को फिर से खेलने के लिए बहुत उत्सुक है। वह इससे सबक लेगा और हम उसे अभ्यास में वापस लाने के लिए उत्सुक हैं। सोलंकी ने कहा कि इस मामले में संबंधित पक्षों द्वारा सभी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था क्योंकि 29 वर्षीय रबादा ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले से पहले गुजरात टाइटन्स के साथ ट्रेनिंग की।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

बंगलूरू, एजेंसी। आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक, टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। आयोजकों ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और एंडरसन पीटर्स सहित कई ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। यह भारत में होने वाली भाला फेंक की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। 24

मई से बेंगलुरु में एनसी क्लासिक टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। जोमैटो इस प्रतियोगिता का आधिकारिक टिकट भागीदार है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। कर्नाटक ओलंपिक संघ (केओए) और युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग (डीवाईईएस) सहित राज्य संघ और सरकारी निकाय विश्व स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बंगलूरू में ही क्यों हो रही प्रतियोगिता?

नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है यानी यह प्रतियोगिता विश्व में एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त है जिसने इसे गोल्ड लेवल का दर्जा दिया है। नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी, लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा।

कई दिग्गज लेंगे हिस्सा

इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। इसके अलावा एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज भी विदेशी सितारों में शामिल होंगे।